RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

सुविचार

हजार योद्धाओं पर विजय पाना आसान है, लेकिन जो अपने ऊपर विजय पाता है वही सच्चा विजयी है।

गौतम बुद्ध

वर्ष-04, अंक - 32 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 12 मई 2022 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

पत्नी की हत्या करने के लिए बुलाया सांप, पति के साथ पांच पर मामला दर्ज

माही की गूंज, मंदसौर।

ग्राम माल्याखेड़ी में एक रौचक मामला सामने आया है। गांव में रहने वाले मोजीम अजमेरी ने पत्नी को मारने के लिए घर पर सांप बुला लिया और उसके उल्टे पैर पर दो बार सांप से डंसवा दिया। सांप के डंसने के बाद महिला अचेत हो गई। उसे जिला अस्पताल लाया गया, यहां से उसे उदयपुर रैफर किया गया, जहां उसका उपचार जारी है। पुलिस ने पत्नी के बयान के आधार पर पति, जेठ सहित पांच लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास की धारा 307 और 34 के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

वायडीनगर थाना प्रभारी जितेन्द्र पाठक ने बताया कि, घटना 5 मई की सुबह की है। 30 वर्षीय हलीमा पति मोजीम अजमेरी निवासी माल्याखेड़ी ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि, मेरा पति दूसरी महिला से बात करता था, इसे लेकर घर में आए दिन विवाद होते थे। मुझे जान से मारने की नीयत से मेरे पति मोजीम अजमेरी ने घर पर सांप बुलाया और जेठ काला बाबू अजमेरी, रमेश निवासी नीमच सहित दो अन्य साथियों की मदद से सांप को मेरे उल्टे पैर पर दो बार डंसवा दिया। छह मई को जिला अस्पताल से हलीमा को उदयपुर रैफर किया गया। सात मई को हलीमा के बयान के आधार पर पति, जेठ सहित पांचों आरोपितों के खिलाफ हत्या करने के प्रयास का मामला दर्ज कर विवेचना में लिया है। सभी आरोपित फरार है, जिनकी पुलिस को तलाश है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद बैकफुट पर सरकार

पंचायत आरक्षणः न उगल सकने न निगल सकने वाली स्थिति में सरकार

माही की गूंज। संजय भटेवरा

झाबुआ। सुप्रीम कोर्ट के सख्त फैसले के बाद पंचायत चुनाव को लेकर स्थिति स्पष्ट हो गई है और गेंद अब सरकार के पाले में है। क्योंकि राज्य निर्वाचन आयोग भी कह चुका है कि, उनकी चुनावी तैयारी पूरी है अब सरकार को फैसला लेना है कि, वह कब चुनाव करवाना चाहती है। वर्तमान में सरकार की स्थिति दुविधा पूर्ण है। उसे डर है की अगर बगैर आरक्षण के चुनाव करवाए जाते हैं, तो उन्हें ओबीसी वर्ग की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है। चुनावों में देरी की जाती है, तो कोर्ट के फैसले की अवमानना हो सकती है। बरहाल सरकार ने पूर्व याचिका दाखिल करने की बात कह कर मामले को फिर से लटकाने के संकेत अवश्य दिए है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर पुर्नयाचिका दाखिल करना आसान काम नहीं है और सरकार का कहना है कि, वह इस पर विशेषज्ञो की राय ले रही है। अब आगे क्या होना है यह तो सरकार को तय करना है लेकिन सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद चुनावी समर में उतरने वाले युवा नेताओं के चेहरे पर चमक अवश्य ला दी है ।

क्या जल्द होंगे चुनाव....?

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद तो यही लगता है कि, चुनाव जल्दी हो जाएंगे लेकिन मामला काफी कुछ सरकार के अगले कदम पर निर्भर करता है। चुनाव आयोग भले ही स्वतंत्र इकाई है, लेकिन सभी जानते हैं कि चुनाव कब कराया जाना है यह सरकार तय करती है। सरकार क्या फैसला लेने वाली है इसका पता अगले एक-दो दिन में लग ही जाएगा। सरकार को भी लग रहा है कि, जितना ज्यादा चुनाव लंबा खींचा जाएगा, उतना ही नुकसान भाजपा को होता दिखाई दे रहा है। इसलिए सरकार भी चाहेगी कि, अब इस मामले को लंबा न खिंचा जाए लेकिन वह ओबीसी वर्ग को भी नाराज नहीं करना चाहती है। इसलिए कुछ बीच के रास्ते की तलाश की जा रही है अब वह बीच का रास्ता क्या होगा....? जल्द ही पता चल जाएगा।

कांग्रेस का क्या रुख रहेगा...?

पूरे मामले को लेकर कांग्रेस वेट एंड वॉच की स्थिति में है, उसे लग रहा है कि, दूध का बर्तन उसके पक्ष में ही गिरने वाला है। मौके की प्रतीक्षा में कांग्रेस दोनों ही स्थिति में सरकार को घेरने की तैयारी में है। अगर चुनाव होते हैं तो वह ओबीसी आरक्षण का मुद्दा बनाकर माहौल अपने पक्ष में लाने की कोशिश कर सकती है। वही टाले जाने पर संवैधानिक संकट और सुप्रीम कोर्ट की अवमानना जैसा मुद्दा उठा सकती है।

वहीं सुप्रीम कोर्ट में ओबीसी आरक्षण को लेकर सरकार की ओर से रखे गए कमजोर तथ्य सरकार की तैयारी में कमी, अफसरशाही की निरंकुशता का प्रमुख मुद्दा उठा सकती है। वहीं मुख्यमंत्री को घोषणा वीर मुख्यमंत्री भी कहती आई है और इस फैसले के बाद कांग्रेस फिर यह कह सकती है, मामाजी केवल घोषणावीर मुख्यमंत्री है, उनके राज में मंत्री नहीं अफसरों की चलती है। मुख्यमंत्री चाहे कुछ भी घोषणा कर दे, होना वही है जो अफ़सर चाहते हैं। वहीं सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि, राजनीतिक दल अगर वास्तव में ओबीसी आरक्षण चाहते हैं तो वे सामान्य सीटों पर ओबीसी वर्ग को टिकट दे सकते हैं। बहरहाल कानूनी दावपेंच, राजनीतिक जोड़-घटाव, वोट बैंक का नफा-नुकसान सब बातो से परे आम जनता यही चाहती है कि, जल्द से जल्द चुनाव हो। आम जनता का कहना है कि, सरकार को अपने काम पर भरोसा है तो वह चुनाव से डर क्यों रही है। अगर आपने अच्छा काम किया है और जनता का विश्वास हासिल है तो फिर डर कैसा.....? जनता का विश्वास वोट में अवश्य बदलेगां। पंचायतों और नगरीय निकायों में भी चुनाव करवाना न केवल संवैधानिक बल्कि आम जनता का भी अधिकार है और सरकार को चाहिए कि, वे जनता का अधिकार जनता को सौंपे।

बहरहाल भाजपा व काग्रेस बयान बाजी कर अपने कमीज को सबसे ज्यादा सफेद बताने का प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपना विदेशी दौरा रद कर दिया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बीडी शर्मा ने ओबीसी वर्ग को चुनाव होने पर 27 फिसदी से अधिक टिकट दी जायेगी, तो कमलनाथ ने भी ओबीसी वर्ग को कांग्रेस में 27 फिसदी टिकट देने की बात कही है। चुनाव आयोग ने बुधवार को जुन माह के अंतिम दिनो तक नगर निकाय व त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव करवा दिये जायेगे कहा है। चुनाव आयोग सुप्रिमकोर्ट के निर्देश के बाद अपनी कसोटी पर खरा उतरने का पुरा प्रयास में जुट गया है। वही प्रदेश की राजनिती मे भी गरमाहट तेज गर्मी के साथ शुरू हो गई है।

चेन्नई सुपरकिंग्स को लग सकता है बड़ा झटका

मुम्बई।

स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा के लिए पिछले कुछ सप्ताह उतार-चढ़ाव वाले रहे हैं। आईपीएल शुरू होने से दो दिन पहले महेंद्र सिंह धोनी ने कप्तानी छोड़ने का फैसला किया। जडेजा चेन्नई के नए कप्तान बने। 37 दिन बाद ही उन्होंने अपने पद से हटने का फैसला किया और धोनी को फिर से कमान संभालनी पड़ी।

अब खबर आ रही है कि, जडेजा सीजन के बाकी बचे मैचों से बाहर हो गए हैं। हालांकि, इसकी पुष्टि चेन्नई सुपरकिंग्स ने नहीं की है।

जडेजा को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ शरीर के ऊपरी हिस्से में चोट लगी है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला था। चेन्नई की टीम ने उस मुकाबले में शानदार जीत हासिल की थी। चेन्नई की मेडिकल टीम ने पिछले कुछ दिनों से उनकी चोट का आकलन किया है लेकिन सुधार नहीं दिख रहा है। ऐसे में जडेजा टूर्नामेंट से बाहर होने के कगार पर हैं।

जडेजा की बात करें तो उनके लिए यह सीजन भूलने वाला रहा है। उन्होंने 10 मैचों में 116 रन बनाए हैं। गेंदबाजी में भी कोई कमाल नहीं दिखा सके। उन्हें सिर्फ पांच सफलता मिली है। उन्होंने आठ मैचों में टीम की कप्तानी की। इस दौरान छह में हार और दो में जीत मिली। टूर्नामेंट में खराब शुरुआत के कारण टीम की नैया मझधार में है। जडेजा को आराम दिया जाएगा। टी20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया को उनकी आवश्यकता होगी। ऐसे में टीम प्रबंधन उन्हें ज्यादा से ज्यादा समय चोट से ठीक होने के लिए देगा।

शराब के नशे में पहुंचा दूल्हा, दुल्हन ने तोड़ दी शादी

रीवा। जिले में एक शादी के दौरान अजीबोगरीब स्थिति देखने को मिली। जहां एक मैरिज गार्डन में आई बारात में जयमाला के समय शराब के नशे में दूल्हे को देख दुल्हन ने शादी से साफ इंकार कर दिया। लड़के वाले ने लड़की वालों को मनाने का काफी प्रयास किया लेकिन वो नहीं माने। पुलिस की दखल के बाद लड़के वालों ने पांच लाख का चेक लड़की वालों को सौंपा जिसके बाद बारात बिना दुल्हन के ही बेरंग वापस अपने घर लौट गई। दरअसल, यह पूरा मामला सामान थाना क्षेत्र अंतर्गत गुलाब नगर स्थित आशियाना मैरिज गार्डन का है।

हुआ यूं कि, सारी रस्मों रिवाजों के साथ दुल्हन के हाथों में मेंहदी रचाई गई। मंडप सजाया गया, बारातियों के स्वागत के लिए तरह तरह के पकवान बनाए गए। तय समय पर बारात लेकर दूल्हा भी पहुंचा। लेकिन जैसे ही वरमाला का समय आया तभी कार्यक्रम पर ग्रहण लग गया। पहले कुछ बारातियों ने शराब के नशे में उत्पात मचाया। लेकिन जैसे ही दुल्हन ने वरमाला के समय दूल्हे को नशे में देखा उसे काफी गुस्सा आया और उसने एक शराबी से शादी करने से साफ इंकार कर दिया। घटना की जानकारी लगने के बाद मौके पर पुलिस भी पहुंच गई। पुलिस की मौजूदगी में लड़के वालों ने लड़की वालों के नगद हुए खर्च के पाँच लाख का चेक उन्हे सौंपा। जिसके बाद बारात बैरंग बिना दुल्हन को लिए वापस लौट गई। हालांकि दुल्हन पक्ष के लोगों ने पुलिस में कोई शिकायत नहीं दर्ज कराई।

चिंतन शिविर के लिए कांग्रेस की तैयारी हुई तेज

नई दिल्ली, एजेंसी।

उदयपुर में होने वाले चिंतन शिविर को लेकर कांग्रेस ने बड़ी तैयारियां हैं। ऐसे दौर में जब पार्टी लगातार हार का सामना कर रही है, तब कांग्रेस की ओर से संगठन से लेकर नैरेटिव तक में कायापलट की तैयारी है। यही नहीं लगातार पलायन कर रहे नेताओं को रोकने के लिए भी कोशिशें तेज की जा सकती हैं। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि चिंतन शिविर में पार्टी की ओर से नेताओं को शपथ भी दिलाई जा सकती है कि वे दल को छोड़कर नहीं जाएंगे। निष्ठा की शपथ लेते हुए लोगों से यह कहा जाएगा कि वे खुद और अपने समर्थकों को पार्टी में बनाए रखने का वादा करें। दरअसल ज्योतिरादित्य सिंधिया, जितिन प्रसाद समेत टीम राहुल गांधी का हिस्सा कहे जाने वाले कई नेता पार्टी छोड़ चुके हैं।

ऐसे में कांग्रेस के लिए पलायन कर रहे नेताओं को रोकना भी एक चुनौती है। इसके अलावा सबसे अहम प्रस्ताव यह पारित हो सकता है कि पार्टी में एक व्यक्ति को एक ही पद मिलेगा। इसके अलावा एक परिवार में एक व्यक्ति को ही टिकट दिए जाने का फॉर्मूला लागू किया जा सकता है। यही नहीं चर्चाएं तो यहां तक है कि यह फॉर्मूला गांधी परिवार पर भी लागू हो सकता है। कयास लगाए जा रहे हैं कि सोनिया गांधी चुनाव न लड़ने का ऐलान कर सकती हैं और अकेले ही राहुल गांधी ही 2024 के आम चुनाव में उतर सकते हैं। हालांकि कुछ कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यह भी संभव है कि परिवार के ऊपर यह फॉर्मूला लागू न किया जाए।

इसके अलावा कांग्रेस की कोशिश यह भी है कि, जी-23 के उन नेताओं को भी साधा जाए, जो प्रभावशाली हैं। इसी नीति के तहत हरियाणा के पूर्व सीएम भूपिंदर सिंह हुड्डा को किसान मामलों की समिति की कमान दी गई है। यही नहीं राज्य में उनके करीबी दलित नेता उदयभान को ही प्रदेश अध्यक्ष बना दिया गया है। कांग्रेस को उम्मीद है कि यह चिंतन उसके लिए 2003 वाला मोमेंट साबित होगा, जब 2004 के आम चुनाव में उसने अप्रत्याशित सफलता हासिल की थी। इस बार कांग्रेस दलित, ओबीसी और अल्पसंख्यक नेताओं को संगठन में 50 फीसदी आरक्षण देने का प्रस्ताव पारित कर सकती है।

सत्ता को आईना दिखाना राष्ट्रधर्म, देशद्रोह नहीं- रणदीप सुरजेवाला

नई दिल्ली।

ब्रिटिश हुकूमत के दौरान अस्तित्व में आया देशद्रोह कानून, क्या अब आलोचकों का गला नहीं घोटेगा। कांग्रेस पार्टी ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले के बाद यह बात कही है। पार्टी नेता रणदीप सुरजेवाला ने सवाल किया, आवाज उठाने के राष्ट्रधर्म को किसने राष्ट्रद्रोह बताया है। एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने कहा, अंग्रेजों द्वारा 1890 में शुरू किए गए राजद्रोह कानून के अब कोई मायने नहीं रह गए हैं।

भारत के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना की अगुवाई में तीन न्यायाधीशों की पीठ ने अपने फैसले में कहा, देशद्रोह कानून पर तब तक रोक लगी रहे, जब तक इसकी समीक्षा नहीं हो जाती। इस दौरान देशद्रोह की धारा 124-ए के अंतर्गत कोई नया केस दर्ज नहीं किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने 124-ए के तहत दर्ज मौजूदा सभी मामलों पर रोक लगा दी है। जो लोग इस कानून के तहत जेल में बंद हैं, वे अपनी जमानत के लिए अदालत जा सकते हैं। मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना ने कहा है कि केंद्र सरकार, देशद्रोह कानून पर जल्द पुनर्विचार करेगी।

कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने कहा, सत्ता के हुकमरानों के खिलाफ आवाज उठाने के काले कानून को खत्म करने का वादा किसने किया। आवाज उठाने के राष्ट्रधर्म को देशद्रोह कौन बता रहा था। सुप्रीम कोर्ट ने देशद्रोह कानून के मामले में एतिहासिक निर्णय दिया है। देश की सर्वोच्च अदालत का संदेश साफ है। सुरजेवाला ने अपने ट्वीट में लिखा, सत्ता के सिंहासन पर बैठ कर आवाज कुचलने वाले निरंकुश शासक जान लें कि स्वयंभू राजा और बेलगाम सरकारों की जनविरोधी नीतियों की आलोचना का गला नहीं घोंट सकते। सत्ता को आईना दिखाना राष्ट्रधर्म है, देशद्रोह नहीं।

इससे पहले एनसीपी नेता शरद पवार ने इस कानून बाबत कहा, यह कानून विद्रोह को दबाने के लिए अंग्रेजों द्वारा लाया गया था। इस काले कानून के तहत, सरकार किसी के भी खिलाफ आरोप लगा सकती है। केस दर्ज होते ही लोगों को जेल भेजा जा सकता है। पवार ने कहा, जब अंग्रेज ही चले गए हैं, तो उनके कानून का क्या फायदा। हैरानी की बात है कि वह कानून आज भी बना हुआ है। आज देश के पास अपनी ताकत है। नागरिकों को अपने सवालों के लिए सरकार का विरोध करने का अधिकार है। इस कानून को अब बदला जाना चाहिए। देशद्रोह के कानून को लगातार बदलने की जरूरत है। केंद्र सरकार, पहले इस राजद्रोह कानून को निरस्त नहीं करना चाहती थी। सुप्रीम कोर्ट का रुख भांपने के बाद केंद्र सरकार ने कहा, वह इस कानून पर पुनर्विचार करेगी। यह बदलाव सकारात्मक है। इस कानून के सख्त प्रावधानों को बदलने की जरूरत है, इस पर संसद में भी चर्चा हो चुकी है।

आतंकी संगठनों की जांच के लिए एनआईए की खुलेगी नई ब्रांच

भोपाल।

मध्य प्रदेश में हाल ही में जमात-ए-मुजाहिद्दीन बांगलादेश (जेएमबी) और राजस्थान में पकड़े गए आतंकियों के के तार प्रदेश के रतलाम से भी जुड़ने के बाद अब नेशनल इनवेस्टीगेशन एजेंसी (एनआईए) की ब्रांच खोली जा रही है। यह जानकारी गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने मीडिया से चर्चा में दी है।

मध्य प्रदेश में नेशनल इवेस्टीगेशन एजेंसी की ब्रांच खुलने जा रही है। एनआईए की ब्रांच खुलने से देश के ह्रदय स्थल में आतंकी गतिविधियों में लिप्त संगठनों और संदिग्ध लोगों पर सीधी नजर रखी जा सकेगी। अभी एनआईए के अधिकारी दिल्ली या देश के अन्य स्थानों से मध्य प्रदेश में ऐसी गतिविधियों पर नजर रखते हैं जिससे आरोपियों के पकड़े जाने के बाद एनआईए यहां सक्रिय होती है। एनआईए की ब्रांच के स्थापित होने के बाद मध्य प्रदेश पुलिस से भी सीधा समन्वय स्थापित होगा और सूचनाओं के आदान प्रदान में आसानी होगी।

गृह मंत्री ने साझा की जानकारी

मध्य प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने बुधवार को मीडिया से चर्चा में यह जानकारी साझा की कि जल्द ही एनआईए मध्य प्रदेश में अपनी ब्रांच खोलने जा रहा है। यह ब्रांच मध्य प्रदेश के किस क्षेत्र में खोली जाएगी, अभी तय नहीं है।

गौरतलब है कि, वैसे मध्य प्रदेश का मालवा क्षेत्र आतंकी और दहशतगर्द लोगों की गतिविधियों की दृष्टि से काफी संवेदनशील माना जाता है। सिमी संगठन की गतिविधियों का गढ़ भी मालवा क्षेत्र ज्यादा रहा है। उज्जैन, रतलाम, मंदसौर, इंदौर, देवास क्षेत्र सहित भोपाल में ऐसे तत्वों की गतिविधियां ज्यादा रही हैं।

जेएमबी की जांच एनआईए कर रही

उल्लेखनीय है कि, भोपाल में पिछले दिनों गिरफ्तार किए गए जमात-ए-मुजाहिद्दीन बांगलादेश (जेएमबी) की गतिविधियां पाई गई थीं जिसमें बांगलादेश के कुछ लोग पकड़े गए थे। इसके बाद देश के कई हिस्सों में जेएमबी के लिए स्लीपर सेल तैयार करने वाले लोगों की गिरफ्तारी हुई थी। इसकी जांच एनआईए ने अपने हाथ में ले ली है। बताया जाता है कि, राजस्थान में पकड़े गए अल सूफा और उसके 30 लोगों में मध्य प्रदेश के रतलाम असजद का नाम आया था। असजद इन लोगों का सरगना था। इस मामले की जांच भी एनआईए को मिलने के संकेत हैं।

गामड़ी पंचायत के रोजगार सहायक पर लाखों के भ्रष्टाचार का लगाया ग्रामीणों ने आरोप

बिना कार्य किए कर लिया राशि का आहरण, फर्जी कार्यो की सूची कराई उपलब्ध

माही की गूंज, पेटलावद।

विकास खण्ड पेटलावद की ग्राम पंचायतों में हो रहे भ्रष्टाचार पर कार्रवाई के लिए अधिकारियों के अलग-अलग व्यवस्था है। जहा लाखो के भ्रष्टाचार की शिकायत मय प्रमाण के महीनों से की जा रही है। अधिकारी कोई कार्रवाई नही कर रहे है वही दूसरी और एक वीडियो वायरल हुआ जिसमे सरपंच प्रधानमंत्री आवास योजना में नाम जुड़वाने के लिए एक एक हजार रुपये मांगता दिख रहा था उसमें अधिकारी, सरपंच और उसके बेटे पर एफआईआर दर्ज करवा चुके है। समझ मे नही आ रहा आफ दी रिकॉर्ड किया गया भ्रष्टाचार जिसकी राशि बिना कार्य किये आहरण कर ली गई हो वो भ्रष्टाचार की श्रेणी में कब और कैसे आएगा । विकास खण्ड पेटलावद की ग्राम पंचायत गामड़ी के ग्रामीण कई दिनों से ग्राम पंचायत के रोजगार सहायक पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाकर शिकायत दर्ज करवा चुके है। ग्रामीणों ने शिकायत बकायदा उन कार्यो की सूची भी दी जो कि, कार्य धरातल से गायब है और उनकी राशि निकाल ली गई, कार्यो की लागत भी दर्शाई गई है। साथ ही आवास, कपिल धारा , पशु सेड हितग्राही मुलक योजनाओं ने भी हितग्राहियों से वसुली गई राशि की जानकारी उपलब्ध करवाई गई है ।

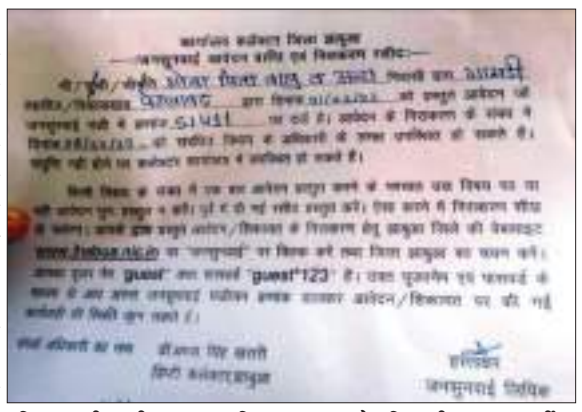

ग्रामीणों का कहना है, रोजगार सहायक ग्राम पंचायत को मन माने ढंग से चला रहा है और मनरेगा योजना के कार्य मजदूरों से नही करवाकर जेसीबी से करवा रहा है । रोजगार सहायक के पास 30 से 40 ऐसे जॉब कार्ड भी है जो की डबल बने हुए है उनके ही द्वारा फर्जी मजदूरी का भुगतान किया जा रहा है ।

जन सुनवाई में कलेक्टर को कर चुके है शिकायत

शिकायत कर रहे ग्रामीणों का कहना है कि, जो शिकायत की मौके पर जांच की जाए तो हमारी शिकायत प्रमाणित हो जाएगी, लेकिन अधिकारियों द्वारा जांच तक नही की जा रही है। इस संबंध में हम फरवरी माह 2022 में जनसुनवाई में कलेक्टर को भी शिकायत कर चुके है, जिस पर आज तक कोई कार्रवाई नही हुई। मामले की शिकायत हमारे द्वारा अनुविभागीय अधिकारी और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पेटलावद को भी की है ।

बीज सम्बंधी धोखाधड़ी से सतर्क रहें किसान

माही की गूंज, खरगोन।

इस मौसम में कई उद्यानिकी फसलों को लगाने का उपयुक्त समय हो गया है। इस मौसम में कई बीज निर्माता कंपनियां किसानों से संपर्क करती है। इसलिये किसानों को सर्तक रहने और बीज खरीदते समय जानकारी रखने के लिए हेल्पलाईन नम्बर जारी किए हैं।

उद्यानिकी विभाग के उपसंचालक एम मुजाल्दा ने जानकारी देते हुए बताया कि, इस मौसम में मिर्च के साथ-साथ भिंडी, टमाटर, गोभी, गेंदा, बैंगन, पपीता तरबूज व अन्य उद्यानिकी बीज व रोप खेत में लगाने का उपयुक्त समय है। ऐसे में किसान भाई लायसेंस धारी विक्रेताओं से ही बीज क्रय करें। साथ ही बिना बिल के बीज किसी भी विक्रेता, कंपनी, दुकानदार या अनजान व्यक्ति से न खरीदे। अगर कोई व्यक्ति कंपनी, विक्रेता या दुकानदार उद्यानिकी विभाग से बिना लाइसेंस प्राप्त किये बीज का विक्रय करते पाया गया तो बीज अधिनियम-1966 एवं बीज नियंत्रण आदेश 1983 के तहत वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। अगर जिले में कही ऐसी स्थिति निर्मित होती है तो किसान भाई विकासखंड खरगोन, सेंगाव, और भीकनगांव के लिए 9893929854 पर कसरावद व महेश्वर के लिए 9425626210 पर और गोगांवा भगवानपुरा व झिरन्या के लिए 9826895281 तथा बड़वाह में 97524654354 नम्बरों पर जानकारी व शिकायत तथा समस्या दर्ज करा सकते है।

मां के कलेजे का एक टुकड़ा भी पल भर में हो गया हमेशा के लिए जुदा

माही की गूंज, खवासा ।

यह तो सही है कि, यह सृष्टि कुदरत द्वारा ही बनाई गई है और इसका संचालन भी कुदरत ही करता है। व्यक्ति का जन्म से लेकर मृत्यु तक का लेखा कुदरत के पास ही रहता है और कब, किसको, किस बहाने से बुला ले कहा नहीं जा सकता।

कुदरत के इसी संचालन के चलते बड़ी से बड़ी घटनाएं होने के बाद भी कुदरत का हवाला देकर हर किसी को न चाहकर भी संतुष्ट होना ही पड़ता है। लेकिन हम कुदरत के द्वारा किए जाने वाले हर कार्य को सही कहना शायद बेमानी ही होगी। कभी-कभी कुदरत किसी न किसी पर ऐसा कहर बरसाता है कि, उससे हर व्यक्ति स्तंभ हो जाता है और हर कोई कुदरत के बरसाए कहर को कोसने को मजबूर हो जाता है।

ऐसी ही एक दर्दनाक घटना में खवासा के मैंण परिवार के साथ एक मां पर ऐसा कहर बरसा कि, पहले बड़े बेटे को दुर्घटना में छीन लिया और अब स्वयं छोटा बेटा अपनी मां को लेकर दो पहिया वाहन पर आ रहा था कि, मां के साथ होते हुए भी कुदरत ने उसके बचे एक कलेजे के टुकड़े को भी छीनकर असहनीय कहर कुदरत ने बरसाया है, जिससे हर कोई शोक विला से व्यथित हो रहा है।

किसान जिला कांग्रेस के अध्यक्ष नंदलाल मैंण, ईश्वर मैंण, ओमप्रकाश मैंण का भतीजा व बाबू मैंण (शिक्षक) का छोटा पुत्र जितेंद्र मैंण अपनी मां मीराबाई के साथ दो पहिया वाहन से कोद के पास उसकी ससुराल रतनपुरा में किसी मांगलिक कार्यक्रम में गए थे कि, मांगलिक कार्यक्रम संपन्न होने के बाद वापसी अपनी मां मीराबाई के साथ सोमवार को खवासा आ रहे थे। इसी बीच पेटलावद एवं सारंगी के मध्य पंच बोराली में पेटलावद की ओर से आ रहे अज्ञात ट्रक की वजह से बाइक असंतुलित हो गई और जितेंद्र व अपनी मां मीराबाई के साथ बाईक के साथ पुल के पास एक गड्ढे में जा गिरे जिससे जितेंद्र को सर में चोट लगने से पलभर में ही मां का दूसरा व आखरी बचा कलेजा का टुकडा पुत्र जितेंद्र पल भर में ही अपनी मां के सामने ही हमेशा-हमेशा के लिए जुदा हो गया।

मां मीराबाई भी चोट लगने व बेटे को मृत अवस्था में पड़ा देख बेहोश हो गई थी। परिवार को सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचा और डॉक्टरों ने परीक्षण के दौरान जितेंद्र को मृत घोषित कर दिया गया।

मैंण परिवार के साथ मां मीराबाई का रो-रो कर बुरा हाल हो रहा है और मां विलाप कर रही है कि, है कुदरत तूने ऐसा क्यों कहर बरसाया कि तूने मेरे कलेजे के टुकड़े को ही छीन लिया, अगर तुझे किसी की जान ही लेनी थी तो मेरी ही जान क्यों नहीं ले ली, कह- कहकर बेटे के विलाप में मां का रो-रो कर बुरा हाल हो गया है।

2013 में बड़े बेटे की हुई थी मौत

दीपावली पर्व के दौरान 2013 में बाबू मैंण के बड़े बेटे पंकज मैंण जिसकी नई-नई नौकरी स्वास्थ्य विभाग बदनावर में लगी थी और शादी के कुछ माह ही हुए थे। पंकज शाम को दो पहिया वाहन से घर आ रहा था कि, सामने से आ रहे वाहन से आमने-सामने भिड़ंत हो गई थी और पंकज की दीपावली के रूप चौदस के दिन मृत्यु हो गई थी।

वहीं दुर्घटना से ही हुई दूसरे बेटे की मौत होने के बाद मैंण परिवार के साथ ग्राम व क्षेत्र के लोग भी शोक विला में हैं।

केसीसी ऋण वितरण एवं वसुली शत-प्रतिषत किये जाने हेतु समिति प्रबंधको को को निर्देश दिए

माही की गूंज,झाबुआ।

मंगलवार को जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. झाबुआ मे पर्यवेक्षको एवं समिति प्रबंधको की मीटिंग में बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आर.एस.वसुनिया द्वारा सहकारी समितियो के कार्यो की विस्तार से समीक्षा की गई । बैठक मे मुख्य रूप से, समितियो को माह मई मे 80 प्रतिषत ऋणो की वसूली अनिवार्यतः किये जाने एवं केसीसी ऋण वितरण लक्ष्य अनुसार नगद व वस्तु रूप मे किये जाने व अकालातीत ऋण की शत-प्रतिषत वसूली किये जाने, पषुपालन मत्स्यपालन प्रकरणो के त्वरित निराकरण एवं अग्रिम उठाव योजना मे खाद भण्डारण एवं वितरण किये जाने व भू अभिलेख पोर्टल पर शत-प्रतिषत ऋण प्रविष्ठि करने, कॉमन सर्विस सेन्टर के ट्रांन्जेक्सन बढाने, प्रधानमंत्री सम्मान निधि राषि प्राप्त करने वालों कृषको को केसीसी जारी करने, क्रिस योजनान्तर्गत राजस्व अधिकारियो को प्रस्तुत प्रकरणो मे वसुली की प्रगति लाने बाबद् निर्देषित किया गया।

जिला विकास समन्वय एवं मुल्यांकन समिति (दिशा) की बैठक आज

माही की गूंज, झाबुआ। गुमानसिंह डामोर सांसद लोकसभा रतलाम मध्य प्रदेश की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं मुल्यांकन समिति (दिशा) की बैठक आज गरूवार को प्रातः 11 बजे कलेक्टर सभा कक्ष में आयोजित की गई है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन द्वारा पत्र जारी किया है। जिसमें जिले के संबंधित जिला अधिकारी जो जिला विकास समन्वय एवं मुल्यांकन समिति से संबंधित है, अपनी जानकारी निर्धारित एजेंडा अनुसार प्रस्तुत करेंगे। बैठक का एजेंडा जारी किया गया है। बैठक में जनप्रतिनिधि सम्मानिय सदस्य भी उपस्थित रहेंगे।

आनंदम सहयोगी प्रशिक्षण कार्यक्रम भोपाल में किया जा रहा आयोजित

माही की गूंज, झाबुआ। अखिलेश अर्गल मुख्य कार्यापलन अधिकारी राज्य आनंद संस्थान भोपाल के पत्र में दिए गए आदेशानुसार राज्य आनंद संस्थान द्वारा आनंदम सहयोगी तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिनांक 12 से 14 मई 2022 में भूमि एवं जल प्रबंधन संस्थान (वालमी), भोपाल में आयोजित किया जा रहा है। प्रतिभागियों की आवास एवं भोजन की व्यवस्था प्रशिक्षण स्थल पर इस संस्थान द्वारा की गयी है। प्रतिभागियों को प्रशिक्षण स्थल पर आवश्यक रूप से उपस्थित होना है। जिले के शासकीय कर्मचारी पप्पू भाबोर, सहायक अध्यापक, शा.प्रा.वि.हरिजन फलिया समोई विकासखंड राणापुर जिला झाबुआ को कार्यक्रम में सहभागिता हेतु समयावधि में कार्यमुक्त करने हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया है।

कॉलेज चलो अभियान के तहत रोजगार मूलक पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी दी

माही की गूंज, झाबुआ।

मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के निर्देशानुसार कालेज चलो अभियान के तहत सत्र 2022.23 में कालेज चलो अभियान चलाया जा रहा है। विभाग के नियमों के परिपालन में शहीद चन्द्रशेखर आजाद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय झाबुआ की समिति ने शहर के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रातीतलाई में जाकर बालकध्बालिकाओं व अभिभावकों को महाविद्यालय में प्रवेश लेने के लिए प्रेरित किया और वहां पर शासन की विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी। कालेज चलो अभियान समिति के सदस्य डॉण् लोहारसिंह ब्राह्मणेए संगीता मसानी भाबोर एवं प्रोण् मुकामसिंह चौहान उपस्थित रहे।

लोकरंग शिविर का 15 से 30 मई तक होगा आयोजन

माही की गूंज, झाबुआ।

लोकरंग संस्था द्वारा झाबुआ नगर में हर साल लोकरंग शिविर का आयोजन किया जाता है। करोना काल में 2 वर्षो से यह शिविर नही हो पाया है। पर इस वर्ष यह शिविर का आयोजन किया जा रहा है। संस्था के आशीष पांडे ने बताया कि शिविर में अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। शिविर में सिखाई जाने वाली गतिविधियां जिसमे संगीत में गिटार, ढोलक, हार्मोनियम, केसियो, बासुरी, कांगो ऑक्टोपेड। नृत्य में सेमिक्लासिकल, वेस्टर्न, बॉलीवुड, फोक ओर कला के क्षेत्र में ड्राइंग, पेंटिंग, स्केचिंग, फोक आर्ट व क्राफ्ट। इसके अलावा प्रतिदिन योग व मनोरंजन के लिए अलग-अलग खेल भी खिलाए जाएंगे। यह शिविर दिनांक 15 मई से लेकर 30 मई 2022 तक रहेगा। संगीत व नृत्य का समय प्रातः 8 से 10 बजे तक रहेगा एवं चित्रकला व क्राफ्ट का समय शाम - 6 से 7¬30 बजे तक रहेगा। शिविर का स्थान लोकरंग, बाबेल कंपाउंड, ऋस्र कार्यालय के पास, झाबुआ रहेगा। शिविर में भाग लेने वाले (प्रशिक्षु) की उम्र 5 साल से अधिक होना चाहिए। आवेदन लोकरंग संस्था से प्राप्त कर सकते है।

पीएम आवास की गंभीर शिकायतों के निराकरण के लिए नम्बर जारी

माही की गूंज, खरगोन।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत गंभीर प्रकृति की शिकायतों के निराकरण के लिए पृथक से नम्बर जारी किए गए है। पीएम आवास योजना ग्रामीण के संचालक आलोक कुमार सिंह ने इस संबंध में सभी कलेक्टर्स को पत्र के माध्यम से अवगत कराया है। उन्होंने पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि, पीएम आवास की गंभीर प्रकृति व भ्रस्टाचार से संबंधित शिकायतों के निराकरण के लिए नए नवीन हेल्पलाईन नम्बर 0755 2706201 प्रारम्भ किया गया है। इस तरह की शिकायतों के निराकरण के लिए मुख्यमंत्री हेल्पलाईन पोर्टल पर मैपिंग भी को गई है। जिसमें जनपद स्तर के अधिकारी इस संबंध में 10 दिनों में निराकरण करेंगे। वही जनपद स्तर से ऊपर के जिला पंचायत सीईओ द्वारा 10 दिनों में उसके बाद जिला कलेक्टर द्वारा 7 दिनों में शिकायते दूर की जाएगी।

जिले में अब तक कई अवैध निर्माण हुए ध्वस्त, मुक्त करवाई करोड़ो की शासकीय भूमि

माही की गूंज, मंदसौर।

कलेक्टर गौतम सिंह द्वारा जिले कि कमान संभालने के बाद से जिले में कई शासकीय भूमि अतिक्रमण से मुक्त हुई है। जिले में कई जगह अब तक हो चुकी अतिक्रमण मुक्त की कार्रवाई के बाद अब दौलतपुरा 25 लाख रुपए से निर्मित भवन को ध्वस्त किया।

मंदसौर तहसीलदार मुकेश सोनी ने बताया कि, ग्राम दौलतपुरा स्थित खसरा नंबर 151 काबिल कास्त शास भूमि पर अतिक्रमणकर्ता फकरु खान पिता छोटे खान निवासी सनावदा द्वारा अवैध रूप से 36 बाय 45 फीट भूमि पर रूप से अवैध रूप से फर्जी पट्टा प्राप्त कर पिता पुत्र के नाम से बिक्री की गई एवं 3 मंजिला भवन निर्माण कर लिया था। अवैध रूप से निर्मित तीन मंजिला मार्केट धराशाई किया गया। जिसकी अनुमानित कीमत एक करोड़ रुपए है। उक्त अतिक्रमण के अलावा सर्वे नंबर 151 पर ही अन्य तीन अज्ञात व्यक्तियों द्वारा किए गए आधे अधूरे अवैध निर्माण को भी तोड़ने की कार्यवाही शुरू की गई। इस प्रकार कुल 8 हजार वर्ग फीट शासकीय भूमि को शासन के पक्ष में मुक्त कराया गया। भूमि का अनुमानित मूल्य 2 करोड रुपए है। जबकि तोड़े गए भवन की लागत 25 लाख रुपए है।

प्रशासन ने शामगढ़ में 80 लाख रुपए की भूमि अतिक्रमण से मुक्त कराई

शामगढ़ तहसीलदार ने बताया कि, गरोठ रोड़ पर वेयर हाऊस के सामने शासकीय सर्वे नंबर 15/1 रकबा 0.022 हेक्टेयर पर प्रमोद कुमार फरक्या तथा जगदीश चौहान द्वारा अवैध रूप से अतिक्रमण कर रखा था। जिसमें कस्बा पटवारी द्वारा प्रस्तुत अतिक्रमण रिपोर्ट पर विधिवत प्रकरण दर्ज किया जाकर, अनावेदकों से जवाब लेने के बाद सीमांकन कराकर 9 मई को बेदखली आदेश पारित किया गया। राजस्व, पुलिस व नगर परिषद के संयुक्त दल द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जाकर उक्त भूमि शासकीय होने का बोर्ड लगाया गया। उक्त भूमि का बाज़ार मूल्य लगभग 80 लाख रुपए है।

पुर्व मे सीतामऊ में 2.5 करोड़ से अधिक रुपए की शासकीय भूमि को भूमाफियाओं से कराया मुक्त कलेक्टर गौतम सिंह एवं पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया के निर्देशन में सीतामऊ क्षेत्र में दो जगह भूमाफियाओं के विरुद्ध कार्रवाई की थी। जिसमें लगभग 2 करोड़ 50 लाख रुपए की भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया। जिसमे पुलिस थाने के पीछे स्तिथ सिध्दि विनायक कालोनी में आवासीय जमीन में अवैध तरीके से बनाई गई 13 दुकानों को तोड़ा था। यह दुकानें प्रदीप चंदवानी ओर जगदीश पगानी द्वारा निर्माण की गई थी।

ग्राम लदुना में शासकीय जमीन में काटी जा रही अरिहंत विहार कालोनी में करीब एक करोड़ रुपये की जमीन को माफियाओ से मुक्त करवाया गया। कालोनी नाइजर पंकज जैन द्वारा शासकीय जमीन पर अवैध रूप से कालोनी का निर्माण करते हुए गार्डन बनाया जा रहा था और शासकीय जमीन पर प्लाट भी काटे जा रहे थे। दोनो कार्यवाही में प्रशासन ने करीब ढाई करोड़ रुपये की जमीन को माफियाओ से मुक्त करवाया है।

क्लेक्टर गौतम सिंह के निर्देशन में तहसीलदार नागेश्वर पवार भानपुरा द्वारा भी अतिक्रमण मुक्त की कार्रवाई पूर्व में की जा चुकी है जिले के हर तहसीलदार अवैध अतिक्रमण को लेकर सख्त हैं।

फर्जी अंकसूची लगाकर हांसिल की नौकरी, महिला अभ्यर्थी ने दर्ज करवाई शिकायत

दो वर्ष पहले ग्रेजुएशन की मार्क सीट लगाने वाला अभी दे रहा परीक्षा

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

विगत दो वर्ष से चल रही ग्राम पंचायतों में मोबोलाइजर पद की भर्ती में हेरा-फेरी के मामले थम नही रहे है। ग्राम पंचायतों ने अपने स्तर पर मिलीभगत कर भर्ती करने के लिए मनचाहे ढंग से अभ्यर्थियों को नंबर देकर पात्र व्यक्ति को बाहर कर रहे है । मामला पेटलावद विकास खण्ड का है, जहां से लगातार मोबोलाइजर भर्ती मामले में हेरा-फेरी की खबरे आ रही है। यहां ग्राम रल्यावन ग्राम पंचायत झावलिया की सुमा पति रविन्द्र मैडा ने ग्राम पंचायत सचिव को आवेदन देकर चयनिय अभ्यर्थी की अंकसूची को ही फर्जी बता कर, पात्र व्यक्ति को नोकरी देने की मांग की है। आवेंदन में सुमा मैडा ने बताया मेरे द्वारा मोबोलाईजर पद हेतु ग्राम पंचायत झावलिया में आवेदन पेश किया गया था, परन्तु उक्त प्रतिप्रार्थी नीलेश पिता मन्ना द्वारा फर्जी ग्रेजुएशन का रिजल्ट लगाकर खुद के प्रतिशत ज्यादा बताकर मेरिट लिस्ट में पहला स्थान हासिल कर लिया तथा मेरे द्वारा इसकी शिकायत पूर्व में की गई थी। आवेदक का कहना है जो कि, चयनित अभ्यर्थी प्रतिप्रार्थी के साथ महावीर

महाविद्यालय 2018 मे बीएससी प्रथम वर्ष में एडमिशन लिया था। प्रथम में अनुत्तीर्ण होने के बाद सन् 2019 में फिर से बीए प्रथम वर्ष में फार्म भरा तथा इस वर्ष भी प्रतिप्रार्थी बीए प्रथम वर्ष में अनुत्तीर्ण हुआ था। नीलेश मैडा के द्वारा जब मोबोलाईजर पद की वैकन्सी निकली थी उस समय प्रतिप्रार्थी का ग्रेजुएशन पूरा भी नही हुआ, लेकिन नीलेश द्वारा फर्जी अंकसूची बनाकर उक्त अंकसूची में प्रतिशत गलत दशार्य गये और उक्त अंकसूची के आधार मेरिट मे स्थान पर कर नियुक्ति हासिल कर ली थी।

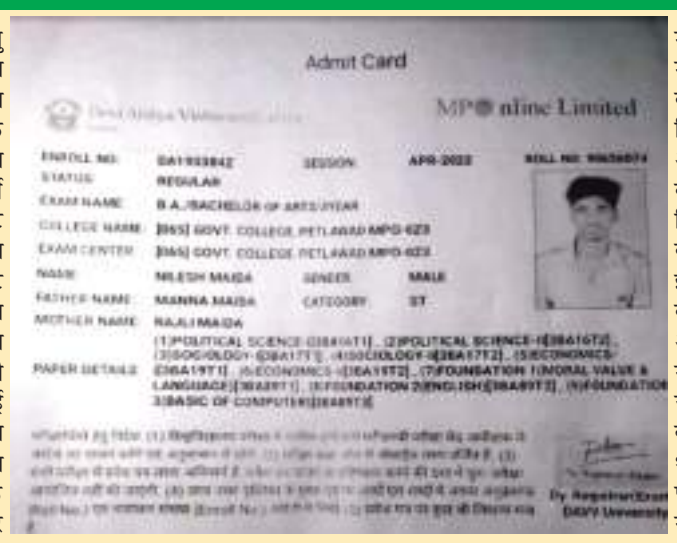

जबकि नीलेश मैडा द्वारा वर्तमान में सन् 2022-23 में बीए तृतीय वर्ष की परीक्षा दी जा रही। जिसका इन्रोलमेन्ट नम्बर डीए 1933842 होकर तथा रोल नम्बर 906556074 है। शिकायतकर्ता द्वारा मोबोलाइजर पद हेतु चयनित अभ्यर्थी का प्रवेश पत्र भी आवेदन के साथ सलग्न किया है। नीलेश द्वारा फर्जी तरीके से उक्त अंकसूची लगाकर मेरिट में स्थान प्राप्त किया, जिसकी जांच कर फर्जी अंकसूची लगाकर नौकरी प्राप्त करने वाले के विरूद्व उचित कार्रवाई करने कि मांग की ।

बाईक-कार की हुई भिड़ंत, बाईक सवारों की हालत गंभीर

माही की गूंज, पेटलावद।

बुधवार दोपहर रायपुरिया-पेटलावद मार्ग पर स्थित भद्रकाली माता जी मदिर के पास बाईक और कार की जोरदार भिड़ंत हो गई, दुर्घटना के बाद दुपहिया वाहन सवार कुम्भाखेडी (तारखेडी) निवासी निनामा परिवार के सदस्य की हालत गंभीर बताई जा रही है। दुपहिया वाहन सवार पति-पत्नि आधार कार्ड बनाने के लिए पेटलावद जा रहें थे तभी पेटलावद तरफ से आ रही कार की स्पीड अधिक थी। बाईक सवार घायलों को एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया गया जहां उनका उपचार किया जा रहा है।

पंचायत चुनाव जल्द करवाने के लिए जयस ने राज्यपाल के नाम सौपा ज्ञापन

माही की गूंज , झाबुआ।

एक बार फिर से प्रदेश में विगत 3 वर्षो से अटके पंचायत चुनाव की चर्चा शुरू हो गई है । पंचायत चुनाव जल्द करवाने को लेकर जयस आदिवासी संगठन ने राज्यपाल के नाम झाबुआ कलेक्टर के द्वारा एसडीएम लक्ष्मी नारायण गर्ग को ज्ञापन दिया। ज्ञापन के माध्यम से मध्यप्रदेश में पंचायत चुनाव करवाने को लेकर मध्य प्रदेश में लगभग 3 वर्ष होने को है लेकिन वर्तमान सरकार पंचायत चुनाव को टालने की प्रक्रिया अपना रही है।

पंचायत चुनाव की अवधि लगातार बढ़ने से पंचायतों में बढ रहा भ्रष्टाचार

मध्य प्रदेश सरकार को पर्याप्त समय होने पर भी आरक्षण के संबंध में उचित प्रणाली नहीं अपनाई गई माननीय न्यायालय के समक्ष उचित कार्रवाई नहीं अपनाई गई और पंचायत चुनाव को न्यायालय प्रक्रिया में उलझा दिया गया है, सुप्रीम कोर्ट को जवाब नहीं दिया जा रहा है वर्तमान सरकार पंचायत चुनाव के संबंध में न्यायालय के आदेश का पालन नहीं कर रही हैं।

मध्यप्रदेश में पंचायत चुनाव की अवधि बढ़ने से वर्तमान सरपंचों की मनमानी

वर्तमान सरकार यदि पंचायत चुनाव सही समय पर न्यायालय के आदेश का पालन नहीं करती है तो जय आदिवासी युवा शक्ति (जयस) संपूर्ण मध्यप्रदेश में आंदोलन करेगा जिसकी समस्त प्रकार की जवाबदारी शासन की रहेगी। ज्ञापन देने में उपस्थित जयस जिलाध्यक्ष विजय डामोर, जयस जिला प्रभारी प्रकाश डामोर, जिला संयोजक प्रेम सिंह भूरिया, जिला उपाध्यक्ष आयुष ओहारी, जिला एडिशन प्रभारी अजय बामणिया, जयस झाबुआ ब्लॉक अध्यक्ष बंटी सिंगार, मेघनगर ब्लॉक अध्यक्ष माधव सिंह डामोर, राजेश डामोर, दामोदर डामोर, मुकेश गुड़िया, संजय भूरिया, राजू वसुनिया, दिलीप अड़ बेकल्दा, पप्पू निनामा, अरविंद भूरिया, आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे। एसडीएम लक्ष्मी नारायण गर्ग को ज्ञापन दिया।

नरसिंह जयन्ती हर्षोउल्लास के साथ मनाई जाएगी

माही की गूंज, थांदला।

परंपरागत नरसिंह प्रकट उत्सव आयोजन हेतु नरसिंह भक्त मंडल द्वारा स्थानीय गणेश मंदिर पर बैठक रखी गई। जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि, नगर के मध्य स्थित भक्त मलूक दास द्वारा स्थापित प्राचीन ऐतिहासिक नरसिंह ऋषभदेव मंदिर में भगवान नरसिंह का प्रकट उत्सव बड़े ही भव्य एवं धूमधाम से मनाया जाएगा। सर्वसहमति से निर्णय लिया कि, नरसिंह भगवान का पूजन अर्चन कर महाअभिषेक के साथ ही महाआरती महाप्रसादी का आयोजन होगा। जिसमे समिति ने अधिक से अधिक संख्या मैं दोपहर उपरांत संध्या के मध्य आयोजित होने वाले भगवान नरसिंह प्रकट उत्सव में सम्मिलित होकर धर्म लाभ लेने की अपील की। बैठक में समिति के वरिष्ठ सदस्य अशोक अरोड़ा मंडल अध्यक्ष, समर्थ उपाध्याय प.कांतिलाल पाठक, जितेंद्र राठौड़, सुनील, पड़दा शर्मा, भेरु महते, दिनेश नागर, श्रीमंत अरोड़ा, मनोज उपाध्याय, फरक्याजी ,कमलेश मेहते, मुकेश कारीगर आदि उपस्थित थे।

पंडित कांतिलाल पाठक ने जानकारी देते हुए बताया कि, वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी पर इस वर्ष 14 मई शनिवार को सर्वार्थ सिद्धि योग में भगवान नरसिंह का प्रकट उत्सव मनाया जाएगा। विशेष बात यह है कि, चतुर्दशी पर रवि योग तथा स्वाति नक्षत्र के साक्षी भी रहेगी। धर्मशास्त्र मान्यता में शनिवार के दिन स्वाति नक्षत्र का होना सर्वश्रेष्ठ माना गया है। तदनुसार इस वर्ष विशेष योग नक्षत्र में भगवान नरसिंह का पूजन भजन आदि करने से अज्ञात भय की निवृत्ति तथा संकटों का नाश होता है।

भय से मुक्ति, संकटों का नाश करने वाला अवतार

जब-जब पृथ्वी पर संकट आया है तब भगवान विष्णु ने धर्म तथा मानव जीवन की रक्षा के लिए अवतार लिया है। धरती को

हिरण्यकश्यप के आतंक से मुक्त करने तथा भक्त प्रहलाद की रक्षा के लिए वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी को भगवान नरसिंह अवतार लिया। भगवान का अवतार भय से मुक्ति तथा संकटों के नाश करने वाला माना गया है इस दिन गोधूलि बेला में भगवान का विधिपूर्वक पूजन तथा स्तवन करने से भक्तों के समक्ष संकट व कष्टों का निवारण होता है। इस बार नरसिंह चतुर्दशी दिव्य सहयोग में आ रही है भक्तों को इसका लाभ लेना चाहिए।

स्लेट-पेंसिल के बॉक्स में छिपा डोडा चुरा के साथ तीन आरोपी गिरफ्त में

माही की गूंज, मंदसौर।

मल्हारगढ़ पुलिस ने पिकअप में भरी स्लेट, पेंसिल के बॉक्स के बीच छुपा कर रखा 5 किलो अवैध मादक पदार्थ डोडा चूरा को जब्त कर लिया। मल्हारगढ़ पुलिस ने बताया कि, अवैध मादक पदार्थ तस्करी की सूचना मिली थी इसी आधार पर पुलिस ने मल्हारगढ़ कृषि उपज मंडी के सामने से एक पिकअप को रोककर उसकी तलाशी ली। पिकअप में भरे स्लेट, पेंसिल के बॉक्स के बीच छुपा कर रखा 5 किलो अवैध मादक पदार्थ डोडा चूरा बरामद किया है।

पुलिस ने वाहन चालक और उसके साथी सहित पायलेटिंग कर रहे बाइक सवार को मौके से गिरफ्तार किया है। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम आशिक मुल्तानी (27), मोहसिन (19) और शाहरुख इंदौरी (22) का नाम बताया। आरोपी स्लेट, पेंसिल की आड़ में डोडा चूरा की तस्करी कर रहे थे। आरोपियों ने डोडा चूरा कहां से लिया था और कहां देने जा रहे थे, इसकी जानकारी जुटाने के लिए पुलिस तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर रिमांड मांगेगी।

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा मण्डल की हुई घोषणा

माही की गूंज , रायपुरिया।

भाजपा जिला अध्यक्ष सोनू विश्वकर्मा के निर्देशानुसार व अनुशंसा पर मंडल अध्यक्ष शांतिलाल मुनिया की सहमति से मोर्चो मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र गोस्वामी द्वारा रायपुरिया भाजपा मंडल पिछड़ा वर्ग मोर्चे की घोषणा की। जिसमें मंडल महामंत्री राहुल गोस्वामी रायपुरिया, संजय पाटीदार बोलासा, उपाध्यक्ष प्रहलाद बैरागी कुंभा खेड़ी, नाथू पाटीदार रायपुरिया ,मोहन कुलारिया तारखेड़ी ,जगदीश पाटीदार रायपुरिया ,मंत्री दिनेश चौहान बिजुरी ,रामेश्वर पाटीदार बनी ,मंगल गहलोत झकनावदा, संजय पवार झकनावदा, कोषाध्यक्ष सार्थक सोलंकी रायपुरिया ,कार्यालय मंत्री नाथू लाल पाटीदार रायपुरिया ,सोशल मीडिया प्रभारी नंदलाल सेफ्टा रायपुरिया, सदस्य विनायक वैरागी झकनावदा, रितेश प्रजापत झकनावदा को बनाया गया ।

आज से शुरू होगा सिर्वी समाज के आई माता मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह

माही की गूंज, पेटलावद।

सिर्वी समाज द्वारा आयोजित किए जाने वाले आई माता मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का भव्य आयोजन आज से शुरू होगा। जो 16 मई तक भव्य आयोजन के रूप में होगा। आयोजन को लेकर समाज़ के युवा वर्ग में खासा उत्साह देखा जा रहा है। समाज के पदाधिकारीगण अखंड ज्योत नारलाई धाम से लाई गई। इनमें मुकेश परमार, कमलेश हामड़, पवन चौहान, दिनेश पड़ियार आदि शामिल है। यह सभी पदाधिकारी वहां पहुंचकर आई माता जी की अखंड ज्योत लेकर पेटलावद लोटें। मां अहिल्या की पावन नगरी में एक और नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। यहां वर्षो से रह रहे सिर्वी समाज के लोगो ने अपनी कुलदेवी आईमाता के भव्य मंदिर का जो सपना संजोया था वो अब साकार होने जा रहा है। आज से सिर्वी समाज की और से नवनिर्मित सिर्वी समाज की आराध्य कुलदेवी आईमाता जी के मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा, पाठ, अखण्ड ज्योत आदि का आयोजन शुरू होगा यह आयोजन 16 मई तक चलेगा। जिसमें मध्यप्रदेश समेत राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र आदि राज्यों से भी सिर्वी समाजजन अपनी भागीदारी करेंगे। इस आयोजन की महत्वता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि, बीते 6 महीने से सभी पदाधिकारी इस बड़े आयोजन को लेकर तैयारियों में जुटे हुए है।

समाज के हर वर्ग को भाव भरा निमंत्रण

आई माता मंदिर को प्राण प्रतिष्ठा के आयोजन को लेकर सिर्वी समाज मे खास तैयारियां की गई है। उक्त आयोजन में कोई भी वर्ग अछूता न रहे इसके लिए समाज़ के हर वर्ग को समाज के प्रतिनिधि मंडल द्वारा सामूहिक पत्रिका देकर भाव भरा आमंत्रण दिया गया। समाज की और से जैन समाज, ब्राह्मण समाज, राजपूत समाज सहित कई समाज, संगठनों और प्रशासन के अधिकारियों को आमंत्रित किया गया।

नगर में की गई विशेष साज सज्जा, जगह-जगह स्वागत की तैयारी

आयोजन को लेकर समाज़जन का उत्साह देखते ही बनता है, सिर्वी मोहल्ला सहित नगर के कई प्रमुख मार्गों पर विशेष साजसज्जा की गई है, चारो और नगर झंडे और बैनरों से पटा हुआ है। आयोजन में मध्यप्रदेश सहित राजस्थान, गुजरात सहित अन्य राज्यो के लोग शामिल होंगे। आयोजन के साथ नगर चौरासी का आयोजन और पूरे नगर में निकलने वाले भव्य जुलूस का नगर में जगह-जगह स्वागत करने की तैयारी की जा रही है ।

संत नगरी थांदला में होगा सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार

माही की गूंज, थांदला।

भगवान परशुराम की कृपा एवं समर्थ सद्गुरु की प्रेरणा से वागवार औदीच्य ब्राह्मण समाज थांदला द्वारा सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार का पुण्य संस्कार आयोजन होने जा रहा है। जिस हेतु संपन्न हुई बैठक में इस कार्यक्रम के संयोजक एवं समाज के अध्यक्ष किशोर आचार्य ने बताया कि, 1997 में आखिरी बार थांदला में सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार का आयोजन हुआ था, उसके बाद अब यह योग आया है। जिसमें कई बटुको के भाग लेने व माता-पिता की इच्छा अनुसार सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार का आयोजन किया जाएगा। ब्राह्मण समाज व लबाना समाज में आज भी यज्ञोपवित संस्कार का बहुत ही महत्व है। वह पौराणिक कथाओं में भी 24 संस्कारों में से एक संस्कार यह है कि, जब बच्चा बाल्यकाल में हो तो उसे अग्नि के सामने सात वचनों के साथ शपथ दिलाई जाती है। जिसे जनेऊ यज्ञसूत्र ,व्रतबंध, बलबंध और ब्रह्त्सूत्र भी कहते हैं, जनेऊ धारण करने की परंपरा बहुत प्राचीन है वेदों में जनेऊ धारण करने की हिदायत दी जाती है। इसे उपनयन संस्कार, उपनयन का अर्थ है पास या सन्निकट ले जाना, हिंदू धर्म के 24 संस्कारों में से एक उपनयन संस्कार के अंतर्गत ही आती है जिसे यज्ञोपवीत संस्कार भी कहा जाता है। मुंडन और पवित्र जल से स्नान भी इस संस्कार के अंग होते हैं, यज्ञोपवीत धारण करने वाले व्यक्ति को सभी नियमों का पालन करना अनिवार्य होता है। एक बार जनेऊ धारण करने के बाद मनुष्य उसे उतार नहीं सकता।

स्थानीय पट्टाबीराम मंदिर में युवाओं द्वारा बैठक की गई वह उसमें सभी को कार्यक्रम में होने वाले सभी आयोजनों की रूपरेखा तैयार कर प्रभार बांटे गए। जिसमें प्रमुख रुप से 18 तारीख को सुबह 7 बजे से ही कार्यक्रम शुरू हो जाएंगे और उसमें 9 बजे यज्ञोपवित संस्कार का कार्यक्रम शुरू हो जाएगा। जिसके लिए विभिन्न विभागों का वितरण किया गया, जिसमें प्रमुख रुप से मानस आचार्य मनीष भट्ट, ऋषि भट्ट, प्रशांत उपाध्याय, वचन आचार्य, समर्थ उपाध्याय, मयंक आचार्य, पुनीत शुक्ला, किशोर उपाध्याय, राजू अध्याय, हेमंत उपाध्याय भट्ट, तुषार भट्ट, भूषण भट्ट, देव जोशी, टीनू आचार्य, गर्व आचार्य, उत्पल भट्ट, निखिल भट्ट, वैभव पाठक मौजूद रहे। वत्सल आचार्य ने बताया कि, इस कार्यक्रम को बहुत ही पौराणिक तरीके से मनाया जाना है, जिसके लिए सभी को अपने-अपने प्रभार बांट दिए गए हैं वह 16 तारीख से ही भव्य तैयारियां शुरू हो जाएगी।

संपादकीय

भगवान भरोसे स्कूल

यह बात विचलित करती है कि विकास की ऊंचाइयां पाने का दावा करने वाले राज्य मध्यप्रदेश के कई सरकारी स्कूलों में एक शिक्षक सैकड़ों छात्र-छात्राओं को पढ़ा रहा है। कहीं ये शिक्षक पूर्णकालिक हैं तो कहीं गेस्ट टीचर। गेस्ट टीचर मतलब एक तदर्थ व्यवस्था, जिसमें शिक्षक को उसके वाजिब हक भी योग्यता के बावजूद नहीं मिल पाते। विडंबना है कि, जिन बच्चों को देश का भविष्य कहा जाता है, उन्हें पढ़ने-लिखने और विकसित होने का नैसर्गिक अधिकार भी नहीं मिल पा रहा है। आखिर कहां हैं जनप्रतिनिधि और कहां है शिक्षा विभाग...? झाबुआ में सत्तापक्ष के एक सांसद के गांव में एक सरकारी स्कूल केवल एक गेस्ट टीचर के भरोसे चलाया जा रहा है तो कहने-सुनने को कुछ शेष नहीं रह जाता। आखिर जब सांसद महोदय अपने गांव की सुध नहीं ले पा रहे हैं तो उनके संसदीय क्षेत्र के शेष स्कूल किससे उम्मीद रखें...? ये हालात समाज की आर्थिक विसंगति और तंत्र की संवेदनहीनता को ही दर्शाते हैं। इन स्कूलों में कमजोर वर्गों व आर्थिक दृष्टि से मजबूर परिवारों के बच्चे भविष्य संवारने के लिए आते हैं। लेकिन यहां भी व्यवस्था की विद्रूपता उनकी मजबूरी का मजाक उड़ाती नजर आती है। जाहिर ये हालात व्यवस्था में खोट और सत्ताधीशों की संवेदनहीनता को ही दर्शाते हैं। कहीं न कहीं नागरिकों के स्तर पर भी यह कमी है कि, वे शिक्षा अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों पर स्कूलों की दशा-दिशा सुधारने के लिए दबाव नहीं बना पाते।

सवाल यह भी है कि, राज्य सचिवालय से लेकर जिला स्तर पर शिक्षा अधिकारियों की एक बड़ी फौज क्या कर रही है...? क्यों लगातार ऐसे स्कूलों की पहचान नहीं होती जहां शिक्षकों की नियुक्ति नहीं है...? हमारे यहां प्रशिक्षित शिक्षकों की कोई कमी नहीं है। वे काम करने को भी उत्साहित हैं लेकिन व्यवस्था का जंजाल उन्हें पढ़ाने के उनके हक से वंचित कर रहा है, जिससे मजबूर होकर वे अन्य व्यवसायों में रोजी-रोटी की तलाश में चले जाते हैं।

सही मायनों में सरकारी स्कूलों को शासन-प्रशासन ने भगवान भरोसे छोड़ दिया है। बयानवीर सांसद, मंत्री, विधायक से लेकर शिक्षा अधिकारी तक इस हकीकत से अनजान बने रहते हैं कि तमाम स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्तियां नहीं हुई हैं। दरअसल, इन स्कूलों में कमजोर व साधनविहीन परिवारों के बच्चे पढ़ते हैं जो अपनी आवाज को बुलंद नहीं कर पाते। कहीं न कहीं समाज में आर्थिक आधार पर विभाजन भी इन स्कूलों की दुर्दशा की वजह रहा है। संपन्न तबके और सरकारी अधिकारियों के बच्चे महंगे निजी स्कूलों में पढ़ते हैं। समाज का वह संपन्न व जागरूक वर्ग जो शासन-प्रशासन पर दबाव बनाने में सक्षम है, उसकी रुचि इन स्कूलों को लेकर नहीं होती, क्योंकि उनके बच्चे महंगे व निजी स्कूलों में पढ़ रहे होते हैं। अक्सर यह बात उठाई जाती है कि, यदि सरकारी अधिकारियों व मंत्रियों के बच्चों के लिए सरकारी स्कूलों में पढ़ाना अनिवार्य कर दिया जाये तो सरकारी स्कूलों के अच्छे दिन आ जाएंगे। दलील दी जा रही है कि, शिक्षकों के स्थानांतरण की प्रक्रिया ऑनलाइन होने के बाद स्थानीय शिक्षा अधिकारी शिक्षकों की वैकल्पिक नियुक्ति नहीं कर पा रहे हैं। इस विसंगति की ओर राज्य सरकार को भी ध्यान देना होगा कि कोई नई व्यवस्था लागू करने से पहले सभी पहलुओं पर विचार किया जाए।

कहने की आवश्यकता नहीं है कि, जब एक शिक्षक सौ-सौ विद्यार्थियों को पढ़ाएगा तो शिक्षा का स्तर कैसा होगा। इतने बच्चों को अनुशासन के साथ बैठा पाना ही अपने आप में बड़ी चुनौती है। ऐसे में उनकी पढ़ाई जरूरी मानकों के अनुरूप हो पायेगी, असंभव ही है। एक शिक्षक सभी विषयों में दक्ष नहीं हो सकता। उसकी ऊर्जा तमाम सरकारी कागजों का पेट भरने और प्रबंधकीय कार्यों में क्षय होती है। ऐसे में अनुमान लगाया जा सकता है कि कोरोना संकट में जब निजी स्कूल ऑनलाइन शिक्षा दे रहे थे तो इन सरकारी स्कूलों के बच्चों के हिस्से क्या ज्ञान आया होगा। जिनके पास मोबाइल-इंटरनेट नहीं हैं, उन्हें ऑनलाइन शिक्षा देने की बात बेमानी ही है। आधी-अधूरी पढ़ाई के चलते ये स्कूल बीमार भविष्य के कारखाने ही साबित हो रहे हैं।

आक्रोश के बारूद में सुलगता श्रीलंका

हंबनटोटा में राजपक्षे के क़िलेनुमा मकान में भीड़ ने आग लगा दी। महिंदा राजपक्षे परिवार समेत त्रिकोमाली नौसेना अड्डे पर भूमिगत हैं, यह ख़बर सामान्य नहीं, कई कयासों को जन्म देने वाली है। क्या राजपक्षे कुनबा देश छोड़ने की तैयारी में है? यदि ऐसा होता है, तो क्या प्रभाकरन की जड़ें समाप्त करने वाले महिंदा राजपक्षे को भारत शरण देने की स्थिति में है? तमिल वोट बैंक की वजह से यहां नहीं, तो फिर कहां शरण लेंगे श्रीलंका के पूर्व तानाशाह? सत्तारूढ़ सांसद समेत चार लोग मॉब लिंचिंग के शिकार हो जाएं, कोलंबो में प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास समेत 41 मंत्रियों के घर भीड़ आग के हवाले कर दे, बारूद के ढेर पर बैठे श्रीलंका में यह सब क्या अपेक्षित था? इस समय सबसे चिंता वाली बात भारतवंशियों की सुरक्षा की भी है।

मंगलवार को भारतीय उच्चायोग की वेबसाइट खोलने पर वहां 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' अवश्य दिखा, मगर श्रीलंका में रह रहे भारतीयों को सतर्क करने संबंधी कोई सूचना नहीं दिखी। कोलंबो से 115 किलोमीटर दूर कैंडी में असिस्टेंट हाई कमिश्नर हैं, जाफना, हंबनटोटा में भारतीय कांसुलेट। क्या वहां भी सब कुछ सामान्य है? 'हम स्थिति पर नज़र रखे हुए हैं, जस्ट चिल।' फोन से पूछने पर जवाब यही मिला।

दो करोड़, 15 लाख, 78 हज़ार की आबादी वाले इस आइलैंड देश में भारतीय मूल के लगभग 17-18 लाख लोग होंगे। 30 अक्तूबर 1964 को 9 लाख 75 हज़ार भारतीय मूल के लोग यहां बसते थे। 58 वर्ष पहले भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री और उनकी समकक्ष सिरिमाओ आरडी भंडारनायके के बीच 10 सूत्री समझौता हुआ था। सभी बिंदुओं को देखिये, भारतीय नागरिकों के आबोदाना-आशियाना, सुरक्षा संबंधी विषयों पर दोनों शासन प्रमुखों ने हस्ताक्षर किये थे। गृहयुद्ध की स्थिति में भारत सरकार की क्या भूमिका होगी? इस सवाल का त्वरित उत्तर देने के वास्ते नई दिल्ली को तैयार रहना चाहिए। वहां केवल तमिल मूल के भारतीय नहीं हैं।

सोमवार की हिंसा को भड़काने में क्या महिंदा राजपक्षे समर्थकों को बड़ा रोल रहा है? सोशल मीडिया पर अपलोड वीडियो फुटेज और श्रीलंका में ज़मीनी रिपोर्ट कर रहे पत्रकारों की खबरों से यह सवाल उठ सकता है। महिंदा राजपक्षे के इस्तीफे के कुछ देर बाद, श्रीलंका पोदुजना पेरामुना (एसएलपीपी) के समर्थकों ने जिस तरह उत्पात मचाया, विरोधियों की पिटाई, उनके टेंटों को उखाड़ फेंकने से लेकर आगजनी तक की, उसके दुष्परिणाम भयावह निकले। कोलंबो स्थित 'टेंपल ट्री' प्रधानमंत्री का आधिकारिक आवास है। 'टेंपल ट्री' के गिर्द कुछ हफ्तों से प्रतिरोध करने वाले टेंट लगाकर प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। बल्कि, पूरे राजपक्षे कुनबा से मुक्ति संग्राम 3 अप्रैल 2022 से देशव्यापी हो चुका था। कोलंबो में समंदर को निहारता पांच हेक्टेयर का पार्क है, 'गाले फेस ग्रीन', यह प्रतिरोध का दूसरा एपीसेंटर रहा है। सत्तारूढ़ एसएलपीपी के सदस्यों और हंबनटोटा से आये मुस्टंडों ने यहां भी विरोधियों की मार-पिटाई की, और उनके टेंट उखाड़ फेंके थे।

इसके जवाब में सोमवार दोपहर तीन बजे के बाद, जिस तरह जनता जुटी, वो बारूद के ढेर पर तीली जैसा ही था। प्रधानमंत्री आवास को आग के हवाले कर देना, वहां पर फायरिंग। पूरे कोलंबों में तोड़फोड़, एसएलपीपी सांसद अमरकीर्ति अथुकोराला समेत पांच लोगों की भीड़ द्वारा हत्या, मंत्रियों, सांसदों के दर्जनों आवासों को आग के हवाले कर देना, ऐसे दुष्परिणाम की कल्पना सत्तापक्ष वाले नहीं कर रहे थे। इस अराजकता का अंत, और इस द्वीपीय देश में शांति की स्थापना कब और कैसे होगी? इस बारे में समग्र अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को सोचना होगा।

श्रीलंका में रोज़ाना 1 लाख 30 हज़ार बैरल तेल की खपत है, तेल आयात हो रहा है 31 हज़ार 960 बैरल। ऐसे में देशव्यापी हाहाकार तो मचनी थी। उर्वरक किसानों को मिल नहीं रहा। दवा से लेकर भोजन संकट तक की ख़बरों से पूरी दुनिया वाबस्ता है। जून 2019 में श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार 8 हज़ार 884 मिलियन डॉलर था, जो फरवरी 2022 में घटकर, 2 हजार 311 मिलियन डॉलर पर आ गया। यह कम से कमतर होता जा रहा है। इतने पैसे से एक हफ्ते तक के तेल की ख़रीद हो सकती है।

18 से 22 अप्रैल 2022 के बीच अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के अधिकारियों से बैठक के वास्ते वित्त मंत्री अली साबरी के नेतृत्व में कोलंबो से एक टीम वाशिंगटन गई थी, उसके त्वरित परिणाम निकलते, तो शायद यह नौबत नहीं आती। श्रीलंका को तत्काल कुछ महीनों के वास्ते तेल, राशन, उर्वरक, आवश्यक खाद्य सामग्री भेजने, मेडिकल सेवाओं को सुचारु करने की आवश्यकता है, यह आग तभी बुझेगी। इसके बाद का उपाय यही है कि संयुक्त राष्ट्र की देखरेख में एक सर्वस्वीकृत सकारात्मक परिणाम देने वाली सरकार की स्थापना वहां हो।

श्रीलंका की राजनीति का कुनबावाद ने कुंडा किया है, उससे मुक्ति आज की पीढ़ी चाहती है। सेना की कमान शाहे-वक्त को सलाम करने वाले भ्रष्ट हाथों में है, बौद्ध धर्मगुरुओं को विश्वास में लेकर राजपक्षे परिवार आमजन को नियंत्रित कर रहा था, उसे 2020 के संसदीय चुनाव के दौरान सबने देखा था। इसमें कोई शक नहीं कि श्रीलंका को इस हालत में पहुंचाने में चीन की क़र्ज़ नीति का सबसे बड़ा योगदान रहा है। चीन पहले क़र्ज़ देकर घी पिलाता है, फिर उस देश का भूमिहरण करता है।

पुष्परंजन

हंबनटोटा वो इलाका है, जिसे राजपक्षे कुनबे का प्रभावक्षेत्र मानते हैं। सामरिक रूप से महत्वपूर्ण हंबनटोटा बंदरगाह को 2017 में चीन के हवाले करने की विवशता थी। इन दिनों पूर्वी एशियाई देश यह चर्चा करने लगे थे कि 99 वर्ष की लीज़ को चीन 198 वर्ष की लीज़ में बदल सकता है। अप्रैल 2022 में ब्लूमबर्ग ने रिपोर्ट दी थी कि चीन का कर्ज़ श्रीलंका पर ढाई अरब डालर का है। यों, अंतर्राष्ट्रीय कर्ज़ लेने से किसी देश की स्थिति थोड़ी दुरुस्त हो जाती है, मगर पांच वर्षों में श्रीलंका जिस कंगाली और गृहयुद्ध की हालत में पहुंचा, उससे उन तमाम देशों को सबक लेना चाहिए, जो चीन से क़र्ज़ लेते हैं।

श्रीलंका पर चीन का कर्ज़ है 10 प्रतिशत, उतना ही कर्ज़ जापान का उस पर है, मगर जापान ने ज़मीन नहीं हथियाई। भारत ने दो फीसद कर्ज़ श्रीलंका को दिया है, अन्य देशों से नौ, विश्व बैंक का नौ प्रतिशत, एशियन डेवलपमेंट बैंक का सर्वाधिक 10 फीसद, मार्केट से उसकी उधारी 47 प्रतिशत है। भारत ने तेल ख़रीदने के लिए श्रीलंका को फरवरी 2022 में 50 अरब डॉलर का क़र्ज़ दिया था। इसके अलावा नई दिल्ली से कोलंबो को अब तक 1.9 अरब डॉलर की क्रेडिट लाइन और करेंसी स्वैप की सुविधाएं दी जा चुकी हैं। मगर, मदद की भी एक सीमा होती है...!

भाजपा का नया खेल

ओमप्रकाश मेहता

देश पर राज कर रही भारतीय जनता पार्टी अपने ''चक्रवर्ती सम्राट'' अभियान की शुरूआत जम्मू-कश्मीर से करना चाहती है, उसे पता है कि अनुच्छेद 370 खत्म करने की नाराजी अभी वहां के वोटरों से दूर नहीं हुई है, इसलिए अब इस राज्य के वोटरों को मनाने का उत्तरदायित्व स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संभाल लिया है, साथ ही चूंकि जम्मू क्षेत्र में भाजपा का वर्चस्व है और कश्मीर में शून्य की स्थिति है, इसलिए हाल ही में परिसीमन की औपचारिकता के माध्यम में जम्मू क्षेत्र में विधानसभा सीटों के इजाफें के प्रयास किए गए और जम्मू क्षेत्र में आधा दर्जन नई विधानसभा सीटें बढ़ाकर जम्मू क्षेत्र की सीटें 43 तथा कश्मीर क्षेत्र में मात्र एक सीट की वृद्धि कर यहां सीटों की संख्या 47 कर दी गई है, अर्थात अब इस राज्य की विधानसभा में सीटों की कुल संख्या 90 हो गई है।

अब यह तो स्वाभाविक है कि इस मशक्कत के बाद अपना मूल उद्देश्य पूरा करने के लिए विधानसभा के चुनाव जरूरी है, जिसके लिए तैयारी शुरू कर दी गई है और कौशिश की जा रही है कि 6 महीनें बाद नवम्बर में गुजरात व हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनावों के साथ जम्मू-कश्मीर विधानसभा के भी चुनाव करवा दिये जाए और येन-केन-प्रकारेण अपने प्रमुख गढ़ जम्मू के बलबूते पर भाजपा वहां बहुमत प्राप्त कर ले और अपनी सरकार बना ले, इसलिए भाजपा के अभी से ये प्रयास शुरू हो गए है कि जम्मू क्षेत्र की 47 सीटों में से लगभग सभी सीटें भाजपा के कब्जें में हो और कश्मीर क्षेत्र में भी अपना झण्डा गाडने का सपना पूरा हो, इस तरह जम्मू आधारित बहुमत के बल पर भाजपा इस राज्य में अपनी सरकार गठित कर ले, इसलिए प्रधानमंत्री जी का रूझान इन दिनों कश्मीर की ओर अधिक ही है।

इधर यदि हम कश्मीर की बात करें तो वहां के राजनेताओं व आम नागरिकों की अनुच्छेद 370 खत्म करने की नाराजी बिल्कुल कम नहीं हुई है, इस एक मसले पर कश्मीर के सारे राजनेता व उनके राजनीतिक दल एक साथ है और एकजुट होकर भाजपा का विरोध कर रहे है, यद्यपि अपनी राजनीतिक चाल के तहत् भारतीय जनता पार्टी शासित केन्द्र सरकार ने परिसीमन आयोग के माध्यम से पहली बार कश्मीरी पण्डितों के लिए दो तथा अनुसूचित जनजाति के लिए नौ सीटें आरक्षित करने का प्रयास किया है, किंतु जहां तक कश्मीरी पण्डितों का सवाल है, उनकी भी भाजपा से जबरदस्त नाराजी है, क्योंकि 2014 के चुनावी घोषणा-पत्र में इनका दर्द शामिल करने के बावजूद आठ साल के अब तक के शासनकाल में भाजपा ने कश्मीरी पण्डितों का अपनी जन्म भूमि छोड़ने का दर्द दूर नहीं किया और वे अभी भी निर्वासित जिन्दगी जीने को मजबूर है। कुल मिलाकर भाजपा ने परिसीमन का नाटक करके जम्मू कश्मीर में सात विधानसभा सीटें बढ़वा दी है और इस राज्य में अब विधानसभा सीटों की कुल संख्या बढ़कर 83 से 90 हो गई है। भाजपा को उम्मीद है कि यदि जम्मू संभाग की 43 सीटों में से 40 सीटें भी भाजपा कबाड़ लेती है तो तीन चार सीटों के लिए कश्मीर में मशक्कत कर इस राज्य में भाजपा सरकार बना सकती है। चूंकि जम्मू कश्मीर विधानसभा के चुनाव गुजरात व हिमाचल प्रदेश के साथ प्रस्तावित होने जा रहे है और इसलिए चूंकि गुजरात-हिमाचल प्रदेश पर भाजपा का वर्चस्व पहले से ही है, इसलिए भाजपा पूरा ध्यान जम्मू कश्मीर पर ही केन्द्रीत करने वाली है और येन-केन-प्रकारेण वहां सरकार स्थापित करना चाहती है।

यहाँ यह उल्लेखनीय है कि पिछले चार वर्षों (जून 2018) से जम्मू कश्मीर में कोई चुनी हुई सरकार नहीं है तथा यहां उप-राज्यपाल जी की ही केन्द्रीय नेतृत्व में सरकार चल रही है यह भी उल्लेखनीय है कि जिस परिसीमन का सहारा लेकर भाजपा ने यहां सीटों का इजाफा किया है, उसी तरह 1995 में यहां परिसीमन आयोग का गठन कर यहां आठ जिलों और नई तहसीलों का गठन किया था। अब परिसीमन आयोग ने यहां की पांच लोकसभा सीटों में प्रति लोकसभा 18 सीटों के आधार पर राज्य की 90 विधानसभा सीटों का बंटवारा किया है।

यहाँ यह भी स्मरणीय है कि पांच अगस्त 2019 से पहले जम्मू कश्मीर विधानसभा की सदस्य संख्या एक सौ ग्यारह थी, इनमें से 45 कश्मीर में, 37 जम्मू में और चार सीटें लद्दाख में थी पाक अधिकृत कश्मीर के लिए 24 सीटें रिजर्व रखी गई है, अभी तक इस राज्य की 87 सीटों पर चुनाव होते आए है। अलग केन्द्र शासित राज्य बनने के बाद लद्दाख की चार सीटों को हटा दिया गया है, इसलिए अब इस राज्य में विधानसभा की 83 सीटें है, जो अब सात सीटें बढ़ने से 90 सीटें हो जाएगी।

इस प्रकार कुल मिलाकर इस राज्य के राजनीतिक परिदृष्य की कल्पना की जाए तो छः माह बाद यहां होने वाला विधानसभा चुनाव जबरदस्त होगा, भाजपा जहां यहां अपनी सरकार के लिए एड़ी-चौटी का जोर लगाएगी, वहीं भाजपा के खिलाफ एक जुट हो रहे स्थानीय राजनीतिक दल व उनके नेता कश्मीरियों को अपने त्रासदी भरे पुराने दिनों की याद दिलाकर भाजपा के प्रति उनके दिलों में नफरत पैदा कर रहे है। अब यही दिलचस्प होगा कि इस 'रस्साकशी' में जीत किसकी होती है?

परंपरावादी धारा में कांग्रेस की उम्मीदें

इसमें क्या हैरानी कि भारत में कभी कोई उदारवादी वामपंथी प्रधानमंत्री नहीं बन पाया, कट्टर तो एक तरफ रहा। यहां तक कि भारत के पहले वामपंथी मुख्यमंत्री, जो भीड़-खींचू नेता कम और विद्वान ज्यादा थे और निर्मम स्टालिन की बजाय खुद आडंबरहीन गांधीवादी थे। इतने मूर्धन्य वामपंथी मुख्यमंत्री को उस प्रधानमंत्री ने बर्खास्त किया था जिसे हम अपना सबसे अधिक ज्ञानवान राजनेता मानते हैं -नेहरू के उदारवाद पर इतना भर। केवल एक परंपरावादी प्रधानमंत्री ही अपने बेटी को पार्टी अध्यक्ष की कुर्सी पर स्थापित कर वंशवादी राजनीति की शुरुआत कर सकता था।

भारतीय राजनीतिक चरित्र लाजिमी तौर पर अपरिवर्तनवादी रहा है और अंतस की यह रूढ़ि-प्रियता देश की दिशा और नियति तय करती है। यही चरित्र आधुनिक इतिहास के सबसे बड़े उलट-फेर को परिभाषित करता है- जब रूढ़िवादियों ने सर्वसम्मति बनाकर भारत को औपनिवेशिक शासन से आजादी दिलाई, सत्ता हस्तांतरण के जरिए, हिंसक विद्रोह बिना। बेशक, एक दुखद तथ्य यह भी है कि औपनिवेशिक दमनकारी अपने पीछे सफलतापूर्वक विभाजन की खूनी लकीर और पहचान की राजनीति का कभी न भरने वाला नासूर छोड़ गए।

देश के संस्थापक और यहां तक कि महात्मा गांधी भी- जो इन सब में सबसे ज्यादा रचनात्मक सुधारक थे दृ उन्होंने न केवल अपने लोगों को इकट्ठा रखने के लिए बल्कि महाकाय भारतीय राजनीतिक ढांचे को सुदृढ़ बनाने के लिए परंपरावादियों के बीच ज्यादातर सर्वसम्मति बनवा दी थी। हिंदू रूढ़िवाद के खिलाफ उन्होंने अपने जिस सबसे ज्यादा सुधारवादी विचार को स्वीकार्य करवाया वह था छुआ-छूत और मैला ढोने के खिलाफ अभियान। 1922 में, जब चौरी-चौरा कांड के बाद गांधी जी को सविनय अवज्ञा आंदोलन वापिस लेने को मजबूर होना पड़ा था, तब 'द ट्रिब्यून' समाचारपत्र के मुताबिक बारडोली-दिल्ली में पारित कार्यसूची में सबसे अहम विषयों में एक था 'छुआ-छूत उन्मूलन कर दमित वर्ग का उत्थान'।

सौ वर्ष पहले, सबसे बड़े भारतीय राष्ट्रीय मंच का नेतृत्व, अपने शब्द और कर्म से, हिंदू धर्म में व्याप्त कुरीतियों और प्रथाओं पर प्रहार करने का संकल्प केवल परंपरावादियों के बीच इस आम सहमति के बूते ले पाया था। इसके लिए अधिक अनुमान लगाने की जरूरत नहीं कि गांधी के सेनानी खुद अनुदारवादी थे, जिनमें मोतीलाल नेहरू, मदन मोहन मालवीय और स्वामी श्रद्धानन्द थे (ये सभी गांधी द्वारा बनाए जलियांवाला बाग यादगार ट्रस्ट के सदस्य थे)। फिर भी ये सब हिंदुओं में जारी सबसे बुरी प्रथाओं को चुनौती देने और उन्मूलन करने में साथ आए।

बारडोली-दिल्ली प्रस्तावों के दो साल बाद पहला गांधीवादी सत्याग्रह एक सवर्ण जत्थे द्वारा दलितों को हिंदू मंदिरों में प्रवेश करवाने को लेकर था, जिसकी अगुवाई प्रवेश के हकदार जाति वाले

एक व्यक्ति ने की थी। यह वाइकोम सत्याग्रह अम्बेडकर के महाड़ सत्याग्रह से तीन साल पहले हुआ था। तब, अम्बेडकर भी परंपरावादी थे जिन्होंने सुधारवादी-आंदोलनात्मक राजनीति अपनाने की बजाय औपनिवेशिक हुक्मरानों का साथ देना चुना। अगर ब्रिटिश हुकूमत राष्ट्रवादियों को हराने में सफल हो गई होती तो शायद अम्बेडकर आगे भी वायसरॉय एक्जिक्यूटिव काउंसिल में सदस्य बने रहते और फिर गणराज्य का संविधान भी न होता।

अब यह कल्पना करना फैशन बन गया है कि हमारा संविधान एक अनुदारवादी दस्तावेज है। अगर ऐसा है तो संविधान सभा के उन परंपरावादी महानुभावों को फिर से झुककर सलाम करना चाहिए, जिन्होंने यह लिखा है। संसद को अप्रत्यक्ष रूप से बड़े जमींदारों और सरमायादारों ने चुना था और जिनके पास मतदान के पात्र कुल लोगों में सिर्फ 20 फीसदी से भी कम का प्रतिनिधित्व था। फिर भी, समझदार स्त्री-पुरुषों की यह सम्माननीय सभा एक ऐसा प्रगतिशील दस्तावेज लिख पाई जिसने उन कट्टर वामपंथियों तक से शास्त्र का दर्जा प्राप्त कर लिया, जिनके राजनीतिक पूर्वजों ने 'यह आज़ादी झूठी है' कहकर इसको नकारा था।

सोनिया गांधी और राहुल गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस जोर देती है कि वह स्वतंत्रता आंदोलन के श्रेय की एकमात्र विरासतदार है, लेकिन अब यह जगजाहिर है कि पार्टी अपनी केंद्रीय परंपरावादी पहचान खो चुकी है। गांधी परिवार अब भारतीय परंपरावादियों का प्रतिनिधित्व करने वाला नहीं रहा। कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व जनसंख्या के एक खास तबके का प्रतिनिधित्व करने वाली हस्ती न होकर संगठनात्मक जरूरत का तत्व भर है। हताश कांग्रेस अपना संगठन कायम रखने के लिए 'गांधियों' पर बेतरह निर्भर है, सीधी बात है कि मौजूदा कांग्रेस पार्टी में एक भी ऐसा गैर-गांधी नेता नहीं है जो घटते कुनबे को एकजुट रखने में काबिल हो। हालांकि गुट- 23 के सदस्यों ने नेतृत्व की कमियों को उठाकर सही किया है, लेकिन यह भी गांधियों का भरोसेमंद विकल्प प्रस्तुत करने में असफल रहा है। इसलिए जहां गांधी परिवार कांग्रेस रूपी किताब के फटते और छिटकते जा रहे पन्नों को जोड़ने में गोंद का काम कर रहा है वहीं किसी खास वर्ग, कौम या तबके ने इसको पढ़ना बंद कर दिया है।

1969 में कांग्रेस में हुए पहले दोफाड़ के बाद पार्टी से परंपरावादी नेताओं के अलगाव की जो प्रक्रिया शुरू हुई थी, उसे इंदिरा गांधी 1971 के युद्ध में मिली भारी जीत से उलट सकती थीं। एमरजेंसी और निजी हार के बाद भी इंदिरा गांधी ने 1980 के चुनाव में काफी हद तक अपनी खोई राजनीतिक जमीन वापस हासिल कर ली थी। 1984 में राजीव गांधी की जीत परंपरावादियों का पुनः अनुमोदन थी जो एक स्थिर, एकीकृत और मजबूत भारत की चाहना रखते थे। लेकिन एक नयी शुरुआत करने वाले प्रधानमंत्री के स्वार्थी अनुचरों द्वारा शाह बानो केस, सलमान रुशदी की किताब पर प्रतिबंध और अयोध्या में बाबरी मस्जिद के बंद ताले खुलवाकर दोहरा सांप्रादायिक कार्ड खेलने के प्रयासों ने परंपरावादी समर्थक मतदाता को पार्टी से परे करवाकर बुरी तरह नुकसान पहुंचाया।

नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह ने अपनी सहज वृत्ति से इस परंपरावादी मतदाता के बड़े हिस्से में पुनः जगह बनाई, जिसका पिछले कुछ सालों से धीरे-धीरे सांप्रदायीकरण हो रहा था। लेकिन लगता है कांग्रेस के मौजूदा नेतृत्व के पास अपने इन परंपरावादी वोटरों को राजीव काल के प्रतीकवादी नर्म इस्लामिक-हिंदुत्व-जाति आधारित राजनीति देने के अलावा और कुछ नहीं है। फिलहाल गांधी परिवार जो कुछ कर सकता है तो यही कि अपनी ताकत-संगठनात्मक नियंत्रण- पर लगाये और ठीक इसी समय क्षत्रपों को पार्टी का केंद्रीय विचार फिर से परंपरावादी बनाने की इजाजत दे। कोई हर्ज नहीं यदि कोई नेता नाइट क्लब जाए, पार्टी में आनंद ले, हल्की दाढ़ी रखे, दोस्तों संग कुछेक जाम पिए, तथ्य है कि कोई और भी करे तो भी नैसर्गिक है। लेकिन राजनेता सार्वजनिक तौर पर ऐसा क्यों नहीं करते, इसके पीछे कारण है कि वे अपने परंपरावादी समर्थकों के इस विचार से डरते हैं कि नेता सदा आदर्श चरित्र वाला दिखे। हां, यह है तो ढोंग। लेकिन फिर परंपरावादी विचार ऐसे ही बनते हैं। यदि फिर भी कांग्रेस नेतृत्व को यकीन है कि वह एकदम अलग वर्ग का प्रतिनिधित्व करती है और उस तक संदेश पहुंचता है तो यही वक्त है अपने इस मतदाता वर्ग को जोड़े रखने की रूपरेखा बनाए।

राजेश रामचंद्रन

मेले में हुआ अश्लील डांस, नगर परिषद सीएमओ निलंबित

माही की गूंज, मंदसौर। साहिल अग्रवान

नगर परिषद शामगढ़ की ओर से आयोजित मेले में अश्लील डांस को लेकर क्लेक्टर गौतम सिंह ने नगर परिषद के सीएमओ को निलंबित कर दिया है। इस मामले में शिवराज सरकार के मंत्री हरदीप सिंह डंग ने भी पत्र लिखा था।

कांग्रेस ने सौंपा था ज्ञापन

उल्लेखनीय है कि, मंदसौर जिले के शामगढ़ इलाके में प्रसिद्ध मां महिषासुर मर्दिनी मेले का आयोजन किया जा रहा है। नगर परिषद की ओर से यह मेला आयोजित किया जाता है। इस मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। मेले के मंच पर फिल्मी गाने के साथ अश्लील डांस किया गया। शिवराज सरकार के मंत्री हरदीप सिंह डंग ने पूरे मामले को गंभीरता से लिया। मंदसौर कलेक्टर गौतम सिंह ने नगर परिषद शामगढ़ के सीएमओ नासिर अली खान को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इस संबंध में उज्जैन संभाग के आयुक्त संदीप यादव को भी सूचना दे दी गई है। इस मामले को लेकर कांग्रेस ने भी राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा था।

एसडीएम से करवाई जांच

जब सोशल मीडिया पर अश्लील डांस का वीडियो वायरल हुआ तो खलबली मच गई। सबसे पहले कलेक्टर गौतम सिंह ने एसडीएम और अन्य अधिकारियों के जरिए पूरे मामले की जांच करवाई। जब शिकायत सही निकली तो सीएमओ नासिर अली खान को निलंबित कर दिया गया। इस पूरे मामले को लेकर राजनीति भी गरमा गई है। गौरतलब है कि, 2 वर्ष से कोरोना के चलते मेले का आयोजन नहीं हो रहा था। इस बार मेले का आयोजन तो हुआ लेकिन यह अश्लील डांस के चलते विवादों में घिर गया।

ये है मामला

दरअसल, जिले के शामगढ़ में मां महिषासुर मर्दिनी देवी मेला लगा हुआ है। मेले में कई प्रकार की गतिविधियों के बीच रविवार शाम को मंच पर नृत्य का आयोजन किया गया, मगर इस के चलते स्टेज पर बार गर्ल का अश्लील डांस होने लगा। हालांकि, इसको लेकर की आपत्ति के पश्चात बंद कर दिया गया। जिस स्टेज पर अश्लील डांस हुआ वहां पीएम नरेंद्र मोदी, सीएम शिवराज सिंह चौहान तथा मंत्री हरदीप सिंह डंग के अतिरिक्त कई जनप्रतिनिधियों तथा देवी मां की तस्वीर भी लगी थी।

तालाब में डूबने से तीन बहनों की हुई मौत

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले के दलावदा में एक हृदय विदारक घटना में तीन बहनों की मौत हो गई। दरअसल तीनों बहनें गांव के नजदीक बने तालाब में नहाने गई थी। उसी दौरान यह हादसा हुआ। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर छा गई। मंदसौर के दलावदा गांव में मंगलवार सुबह नहाने गई तीन बहनों की डूबने से मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक दो सगी बहनें और एक परिवार की ही बालिका गांव के समीप बने तालाब में नहाने गई थी। उसी दौरान वे तीनों डूब गई। परिवारजनों ने ढूंढने की कोशिश की लेकिन तब तक तीनों की मौत हो चुकी थी। तीनों मृतिकाओं की उम्र महज 13, 14 और 16 वर्ष है। सीतामऊ पुलिस ने तीनों के शवों को तालाब से निकलवाकर नजदीकी सीतामऊ स्वास्थ्य केंद्र पर भिजवाया। जहां इनका पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिए।

घटना के बाद गांव में शोक की लहर, सीएम ने जताया दुःख

एक ही परिवार की तीन बहनों का दुखद निधन होने के बाद इनके परिवार ही नहीं गांव में भी शोक की लहर है। बच्चियों के माता-पिता और परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के बाद क्षेत्र के विधायक और मंत्री हरदीप सिंह डंग के साथ सीएम शिवराज सिंह चौहान और पूर्व सीएम कमलनाथ ने ट्वीट कर शोक संवेदना व्यक्त की है। साथ ही परिवार को हर संभव मदद का भरोसा दिया है।

कलेक्टर के आदेश की उड़ रही धज्जियां

कृषक ने पेट्रोल पंप के पास ही खेतों में जलाई नरवाई

माही की गुंज, शाजापुर/अकोदिया।

हाल ही में देखा जाए तो किसानों ने अपने खेतों में से गेहूं की फसलें हार्वेस्टर मशीन से कटवाई थी जहां खेतों में बची नरवाई में कोई आग न लगाएं, इसके लिए कलेक्टर ने आदेश भी जारी किए थे। कलेक्टर ने साफ़ शब्द में कहा था कि, कोई भी कृषक अपने खेतों में नरवाई न जलाएं अन्यथा उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। लेकिन कृषक ने जिला कलेक्टर के आदेश को ताक में रखकर एक बार फिर खेतों में आगजनी कर दी। यह तो गनीमत रही कि, जहां खेतों में नरवाई जलाई थी वहीं पास में 'मैं प्रेम सेवा पेट्रोल पंप' केंद्र भी है। जैसे ही पेट्रोल पंप के पीछे वाले खेतों में आग जैसी देखी गई तो पंप संचालक मंजू विनोद राज ने तुरंत नपा के अधिकारियों को इसकी जानकारी दी। जहां नपा कार्यालय द्वारा तुरंत फायर ब्रिगेड मशीन पहुंचा कर आग पर काबू पाया। भगवान की कृपा ही समझे कि आज बड़ी घटना टल गई अन्यथा बड़ी घटना घटित हो सकती थी।

मैं. प्रेम सेवा पेट्रोल पंप संचालक मंजू विनोद राज ने बताया कि, जिला कलक्टर नरवाई पर प्रतिबंध लगाया था उसके बावजूद भी कलेक्टर के आदेशों की धज्जियां उड़ रही है। एसे लोगों पर तुरंत कार्रवाई करना चाहिए। क्योंकि जिससे खेतों से आग लगाई गई वहा खेतों से शहर तक पहुंच गई थी। लोगों की सूझबूझ ने आग पर काबू पाया अन्यथा बड़ी घटना भी घट सकती थी। मंजू विनोद राज ने स्थानीय प्रशासन सहित जिला कलेक्टर से नरवाई जलाने वाले के ऊपर सख्त कार्रवाई की जाने की गुजारिश की।

चिकित्सा क्षेत्र में 50 वर्ष पूर्ण होने पर डॉ. पाटीदार का किया सम्मान

माही की गुंज, शाजापुर/अकोदिया

अकोदिया नगर सहित पूरे क्षेत्र में अपनी डॉक्टरी की छाप छोड़ चुके डॉ. अनोखीलाल पाटीदार पिछले 50 वर्षों से लगातार क्षेत्रवासियों को चिकित्सा सेवा अर्पण कर रहे हैं। आज उनकी उम्र अधिक हो जाने के बाद वह मरीजों के उपचार के लिए तत्पर खड़े रहते हैं और उसकी वजह है क्षेत्रवासी चिकित्सा सेवा स्वास्थ्य से संबंधित समस्त प्रकार की बीमारियों को देखकर ही बता देते हैं। इसलिए लोगों को उन पर और उनकी सेवाओं पर काफी विश्वास रखते हैं। इसीलिए क्षेत्र के लोग भी उनके पास ही अपनी उम्मीद लेकर जाते हैं।

गौरतलब है कि, नगर अकोदिया में पिछले 50 वर्षों से वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. श्री अनोखी लाल पाटीदार के चिकित्सक सेवा देने के दौरान उनके भाई, भतीजा, पुत्र आदि भी लोगों की मदद के लिए एक कदम आगे बढ़कर इस सेवा में जुट जाते हैं। क्षेत्र के लोग बताते हैं कि, कम खर्च में अच्छा इलाज वाले डॉक्टरों में से एक डॉक्टर है अनोखी लाल जी जोकि छोटी से लेकर बड़ी-बड़ी बीमारियों का इलाज करते हैं और कोई अतिरिक्त चार्ज भी नहीं लेते हैं। डॉक्टर अनोखी लाल पाटीदार को 50 वर्ष इस क्षेत्र में पूर्ण हो चुके हैं इसलिए उनका नगर अकोदिया के गणमान्य नागरिक गण, केमिस्ट ऐसोसिएशन सहित नगर के समस्त क्लीनिक संचालकों ने डॉक्टर पाटीदार के श्री राम क्लीनिक पहुंच कर उनका सम्मान किया साथ ही उनके उज्जवल भविष्य की कामनाएं की।

विशाल भंडारे का आयोजन संपन्न, भक्तिमय हुआ माहौल

माही की गुंज, शाजापुर।

सलसलाई नगर स्थित पुलिस थाना के स्टाफ की ओर से पुलिस थाना परिसर में पांच दिवसीय यज्ञ का आयोजन आयोजित किया गया व शोभा यात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्ग से निकली थी जिसके बाद अगले दिन सुबह 10 बजे से पुलिस थाना सलसलाई परिसर में यज्ञ समापन अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन आयोजित किया गया। उक्त विशाल भंडारे में पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत लगने वाले करीब 36 गांव के लोग बड़ी संख्या में एकत्रित हुए थे। भगवान भोलेनाथ की जय जयकार करते दिखाई दिए तो साथ ही उक्त आयोजन में शामिल होने के लिए मध्यप्रदेश सरकार के राज्य शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार भी पहुंचे। सुबह 10 बजे से शुरू हुए विशाल भंडारे का आयोजन करीब 2 बजे तक चला। जिसमें पुलिस थाना सलसलाई के थाना प्रभारी तुलाराम पटेल सहित पूरा स्टाफ थाना क्षेत्र के अंतर्गत लगने वाले समस्त ग्राम के श्रद्धालुओं को विशाल भंडारे में भोजन परोस कर भोजन प्रसादी ग्रहण करवाई।

जनचर्चा का केंद्र बना यज्ञ का आयोजन

खैर, यज्ञ जैसे आयोजन तो देश ही नहीं विदेश तक में होते हैं, सुना भी है ओर देखा भी है। लेकिन सलसलाई नगर में संपन्न हुए पांच दिवसीय यज्ञ के आयोजन की चर्चा चौराहे-चौराहे चल रही है। क्योंकि यज्ञ में स्थापना से लेकर समापन तक दिन प्रतिदिन नए-नए धार्मिक आयोजन हुए। यज्ञ शुरू होने से पहले पुलिस थाना से लेकर पूरे नगर में कलश यात्रा निकाली, रोज रात्रि को विशाल भजन संध्या तो यज्ञ समापन के बाद विशाल शोभायात्रा और शोभा यात्रा के 1 दिन बाद तत्पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया। जिसमें थाना क्षेत्र सहित जिले भर के एक से बढ़कर एक भजन कीर्तन करने वाले कलाकार ने प्रभु का गुणगान किया। वही पुलिस थाना सलसलाई का पूरा स्टाफ यज्ञ में आने वाले समस्त श्रद्धालुओं का मान सम्मान व उनकी सेवा में कोई कसर नहीं छोड़ी। विशाल भंडारे के आयोजन में बड़ी संख्या में शामिल हुए श्रद्धालुओं का थाना प्रभारी श्री पटेल ने धन्यवाद देते हुए सभी का आभार माना।

नगरीय निकाय अग्निसुरक्षा के उपाय सुनिश्चित कराएं- कलेक्टर जैन

माही की गुंज, शाजापुर।

सभी नगरीय निकाय नगर के बड़े संस्थानों जैसे हॉस्पिटल, नर्सिंग होम्स, छात्रावासों, होटल्स, दुकान, मॉल, मल्टी स्टोरीज आदि भवनों में अग्नि सुरक्षा के उपाय सुनिश्चित कराएं। साथ ही तंग गलियों में भी अग्नि सुरक्षा के उपाय सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्था बनाकर रखें। उक्त निर्देश कलेक्टर दिनेश जैन ने आज विभागीय समन्वय एवं समयसीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में दिये। इस मौके पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती मिशा सिंह, अपर कलेक्टर श्रीमती मंजूषा विक्रांत राय, अनुविभागीय अधिकारी श्रीमती शैली कनाश सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर जैन ने निर्देश दिए कि, शुजालपुर एवं शाजापुर के चिकित्सालयों में स्थापित ऑक्सीजन प्लांट्स चालू स्थिति में रखें तथा क्रय किये गये एवं दान में प्राप्त ऑक्सीजन कन्सन्ट्रेटर को पोर्टल पर दर्ज कराएं। कलेक्टर ने उपसंचालक पशु चिकित्सा डॉ.एके सिंह को निर्देश दिये कि किसानों के क्रेडिट कार्ड बनवाने की कार्रवाई तेजी से संपादित कराएं। गौशालाओं में पशुओं के लिए चारे एवं पानी का प्रबंध कराएं। रेजावता की गौशाला संचालक की मीटिंग लेकर उन्हें गौशाला के समुचित व्यवस्थापन के लिए कहें। महिला एवं बाल विकास कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती सुषमा भदौरिया को कलेक्टर ने पीएम केयर्स चिल्ड्रन स्किम के क्रियान्वयन के निर्देश दिये। साथ ही बाल विवाहों के रोकथाम के लिए भी कलेक्टर ने कहा। साथ ही कलेक्टर ने सभी सीएमओ एवं जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को निर्देश दिये कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत सामुहिक विवाह आयोजित करने के लिए कैलेंडर बनाएं। कलेक्टर ने कल्याणी विवाह योजना के लिए भी समाज को प्रोत्साहित करने के लिए कहा। श्रम योगी मानधन पेंशन योजना के क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर ने निर्देश दिये कि पटवारियों के माध्यम से डाटा कलेक्शन कराएं कि उनके क्षेत्र में कितने ईंट के भट्टे हैं और वहां कितने श्रमिक कार्यरत हैं। कलेक्टर ने जिला श्रम अधिकारी राम गोपाल रजक को निर्देश दिये कि वे श्रम योगी मानधन योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार कर लोगों को प्रेरित करें। साथ ही कलेक्टर ने सभी विभागों को निर्देश दिये कि शासकीय कार्यक्रमों में जन प्रतिनिधियों को अनिवार्य रूप से आमंत्रित करें। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्रीमती मिशा सिंह ने कहा कि, रोजगारमूलक योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए सभी विभाग अपनी ओर से प्रकरण बनाएं। वर्तमान में माह अप्रैल की प्रगति शून्य है। सभी विभाग माह अप्रैल के लक्ष्य की पूर्ति के लिए भी कार्य करें। उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए विभिन्न विभागों में आउटसोर्स से रखें गये कर्मचारी यदि दायित्वों के निर्वहन के लिए योग्य नहीं है तो उन्हें हटाएं।

पानी चोरी करने वालों के विरूद्ध करें कार्रवाई

कलेक्टर जैन ने नगरपालिका सीएमओ राकेश चौहान एवं कार्यपालन यंत्री जलसंसाधन को निर्देश दिये कि चीलर जलाशय एवं लखुंदर जलाशय सहित अन्य जल संरचनाओं से पानी चोरी करने वालों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई करें। नगरपालिका सीएमओ पानी चोरी करने वालों की पाईप लाइन हटाएं और पेयजल परिरक्षण अधिनियम एवं पानी चोरी करने के प्रकरण दर्ज कराएं। कलेक्टर ने कहा कि शाजापुर जिले को पहले से ही जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित किया जा चुका है। साथ ही कलेक्टर ने चीलर नदी की सफाई के लिए जन भागीदारी से अभियान चलाने के निर्देश दिये।

कब थमेगा यहां अवैध खनन का व्यापार...?

जप्त की गई पोकलेन करने लगी दूसरी जगह अवैध खनन

माही की गुंज, शाजापुर। अजय राज केवट

नेताओं और अफसरों के संरक्षण में पल रहे खनन माफिया दिन पर दिन बड़ा रूप लेकर जिले में बेखौफ तांडव कर रहे हैं। जहां चाहा वहां भूमि को खोखला कर देते हैं। मध्य प्रदेश शासन के नीति नियम कानून व्यवस्था को ताक मे रखकर खुले खनन माफियाओं द्वारा बेधड़क अवैध खनन का व्यापार चलाया जा रहा है। खनन माफिया प्राकृति की इस अमूल्य धरोवर की छाती चिर कर मुनाफा दोगुना करने की दौड़ में लगे है।

शुरू से मामले की बात करें तो शाजापुर जिले के शुजालपुर तहसील के करीब ग्राम उगली से बाढ़पुर तक की करीबन 11 किलोमीटर की सड़क बनाने का ठेका शिवचरण परमार द्वारा लिया गया। प्रदेश की इस लचर कानून व्यवस्था को देखकर इन्होंने उत्खनन की परमिशन लेना उचित नहीं समझा। ऐसे में प्राकृतिक धरोहर को नष्ट होते देख कुछ प्रकृति प्रेमियों द्वारा आपत्ति जताकर संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों को शिकायत की गई।

ग्रामीण जनता को इस बात की भनक तक नहीं थी कि, जिम्मेदार अधिकारी की साठ-गांठ से ही यह सब खेल चल रहा है। जिम्मेदार अधिकारियों को पूर्व से ही सूचना होने के बावजूद भी अपनी मौजूदगी छुपाकर आनाकानी कर एक-दूसरे पर ढोलते नजर आए। शिकायत तो हुई लेकिन सिर्फ खानापूर्ति करने के लिए और जिम्मेदार आए भी पंचनामा बनाया ओर निकल लिए।

पंचनामा के संबंध में जब गूंज प्रतिनिधि द्वारा विस्तृत जानकारी लेने की इच्छा जताई तो, जिम्मेदार अधिकारी ने फोन नहीं उठाया न ही मैसेज का रिप्लाई किया। जिले में जाकर जानकारी जुटाना चाही तो गुमराह किया।

सीएम हेल्पलाइन पर की गई शिकायत के जवाब में अधिकारियों ने बताया कि, खनन माफिया के विरुद्ध 5 लाख का जुर्माना और एक पोकलेन जप्त की गई है। शिकायत को आज करीबन 3 माह बीत गए माफिया द्वारा जुर्माने की राशि भरना तो दूर लोगों की आंखें तो तब फटी रह गई, जब देखा कि जप्त पोकलेन दूसरी जगह फिर से अवैध उत्खनन कर रही है। लोगों का इन भ्रष्ट अफसरों की कार्यशैली देख लोगो का प्रशासनिक व्यवस्था से विश्वास उठ गया। शासन-प्रशासन को भला बुरा कहा गया देखते ही देखते चंद पैसो में देश भी बेच देंगे तब भी इनकी भूख नही मिटेगी।

यह सारा खेल इन भ्रष्ट अफसरों के तालमेल व इनके इशारों पर ही इस प्राकृतिक अमूल्य धरोहर को नष्ट किया जा रहा है और शासन के राजस्व में करोड़ों का चूना संबंधित शासकीय बाशिंदे लगा रहे हैं। यह चुना दोनों तरफ से शासन को लगाया जा रहा है। एक तरफ से शासन व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए मोटी तनख्वाह ले रहे है तो वहीं दूसरी तरफ शासन के करोड़ों की राजस्व चोरी खनन अधिकारियों की मदद से हो रही है।

ऐसे व्यक्तियों पर शासन की कड़ी नजर होना शासन स्वीकार करता है परंतु कार्रवाई के नाम सब गोलमोल है।

6 जून को आयोजित होगा निःशुल्क सर्वधर्म सामूहिक विवाह सम्मेलन

माही की गुंज, शाजापुर।

जनपद पंचायत शुजालपुर में मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह/निकाह योजनांतर्गत निराश्रित, निर्धन परिवार की कन्या, विधवा, परित्यक्ता हेतु निःशुल्क सर्वधर्म सामूहिक विवाह सम्मेलन 6 जून को शुजालपुर में आयोजित किया जाएगा। उक्त सम्मेलन में आवेदन हेतु आय का कोई बंधन नही रहेगा।

जनपद पंचायत शुजालपुर मुख्य कार्यपालन अधिकारी आरके मण्डल ने बताया कि, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 6 जून 2022 को होने वाले सामूहिक विवाह सम्मेलन में विवाह कराने के लिए 10 मई से 27 मई तक जनपद पंचायत शुजालपुर में आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। पंजीयन की व्यवस्था जनपद पंचायत शुजालपुर में की गई है। सम्मेलन में विवाह के लिए संबंधित वर-वधू को अपना आवेदन नियमानुसार समस्त प्रक्रिया पूर्ण कर प्रस्तुत करना होगा। वर-वधू एवं उनके साथ आने वाले अभिभावकों के लिए भोजन पानी एवं छाया की व्यवस्था जनपद पंचायत कार्यालय द्वारा की जाएगी। वर-वधू को विवाह तिथि के दिन निश्चित अवधि से आधे घण्टे पूर्व कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित होना अनिवार्य है।

सामूहिक विवाह सम्मेलन में विवाह कराने के लिए आवेदन के साथ वर-वधु के अभिभावक का म.प्र. के मूल निवासी होने का प्रमाण-पत्र, वर-वधु के समग्र परिवार आईडी, वर-वधु का आधार कार्ड, वर-वधु का आयु प्रमाण-पत्र आयु हेतु निम्न में से कोई एक दस्तावेज आवश्यक है, वर-वधु के पासपोर्ट साईज के 3-3 फोटोग्राफ्स, वर-वधु एवं अभिभावक का मोबाईल नंबर, कल्याणी (विधवा) होने की स्थिति में पूर्व पति का मृत्यु प्रमाण-पत्र, विधूर होने की स्थिति में पूर्व पत्नि का मृत्यु प्रमाण-पत्र, परित्यक्ता महिला-पुरुष होने की स्थिति में कानूनी रूप से तलाक होने का न्यायालयीन आदेश की प्रतिलिपि, शौचालय का प्रमाण-पत्र, दिव्यांग होने पर दिव्यांगता प्रमाण-पत्र, वर-वधु का शपथ-पत्र लाना होगा।

न्यूज ब्रीफ

छेड़छाड़ करने वाले आरोपी को तीन वर्ष की जेल एवं जुर्माना

माही की गूंज, बड़वानी।

द्वितीय अपर सत्र न्यायालय बडवानी श्रीमती सारिका गिरी षर्मा द्वारा आरोपी लोकेष पिता कालूराम निवासी ग्राम हरणगांव को धारा 354 भादवि में एक वर्ष का सश्रम कारावास एवं एक हजार रूपये एवं धारा 7/8 लैंगिक अपराधों से बालको का संरक्षण अधिनियम 2012 में 3 वर्ष का कठोर कारावास एवं एक हजार रूपये के अर्थदंड से दंडित किया। अभियोजन की ओर से पैरवी श्री दुष्यंतसिंह रावत अतिरिक्त जिला लोक अभियोजन अधिकारी जिला बड़वानी द्वारा की गई।

अभियोजन मीडिया प्रभारी सुश्री कीर्ति चौहान ने बताया कि, 6 सितम्बर 2021 को अभियोक्त्री घर से स्कूल पैदल-पैदल जा रही थी। रास्ते में आरोपी लोकेश पिता कालूराम खडा था। आरोपी ने अभियोक्त्री का बुरी नियत से हाथ पकडा और उसे खींचकर खेत में ले जाने लगा। अभियोक्त्री चिल्लाई तो उसकी आवाज सुनकर गांव के लोग दौडकर आये तभी आरोपी अभियोक्त्री को छोडकर भाग गया। जिस पर से संबंधित ने अंजड थाने में आरोपी के विरूद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जहां विवेचना के पश्चात् आरोपी के विरूद्ध न्यायालय में प्रकरण प्रस्तुत किया गया था।

रायफल, पिस्टल एवं शाटगन के लिए टेलेंट सर्च का होगा आयोजन

माही की गूंज, बड़वानी।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा रायफल, पिस्टल एवं शाटगन के लिए टेलेंट सर्च का आयोजन 14 मई को प्रातः 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक जिला बैडमिंटन हाल किला मैदान रतलाम रोड़ धार में किया जा रहा है।

जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी रूपसिंह कलेश से प्राप्त जानकारी अनुसार, टेलेंट सर्च में 13 से 16 वर्ष के मध्य बालक-बालिका भाग ले सकते है। उन्होने प्रतिभा चयन स्थल पर शूटिंग खेल का वीडियो एवं फोटो दिखाना होगी। साथ ही खिलाड़ियो की ऊंचाई, वजन एवं उम्र एवं उनके सीखने की क्षमता के आधार पर उनका ट्रायल लिया जायेगा। उन्होने बताया कि, उक्त चयन स्पर्धा में बालक-बालिकाओ को स्वयं के व्यय पर जाना होगा।

बढ़ते वाहन दुर्घटना के सबंध में वाहन मालिको की हुई बैठक

माही की गूंज, बड़वानी।

पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला ने वर्तमान मे वाहन संबंधित दुर्घटना अत्यधिक होने से जिले के समस्त थाना प्रभारीयों को वाहन दुर्घटना के सबंध मे बस एसोसिएशन एवं रिक्शे वालो की मिटिंग लेने हेतु निर्देशित किया है।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार बुधवार को एसडीओपी सेंधवा मनोहरसिंह बारिया, थाना प्रभारी सेंधवा शहर बलदेवसिंह मुजाल्दा, थाना प्रभारी सेंधवा ग्रामीण विकास कपिस द्वारा सेंधवा शहर के बस मालिक, ड्रायवर, कण्डेक्टर तथा रिक्शे चालकों की बैठक ली। इस दौरान उन्होने प्रत्येक वाहन का बीमा, रजिस्ट्रेशन, वाहन मे स्पीड गर्वनर, फायर एक्स्टेंग्युसर, आपातकालिन द्वार, फर्स्ट एड बॉक्स तथा शराब पीकर वाहन न चलाने हेतु समझाईश दी। बैठक के दौरान उन्होने वाहन मालिकों व ड्रायवरों को समझाया कि, शराब पीकर वाहन चलाते पकड़े जाने पर वाहन राजसात की कार्यवाही की जायेगी ।

मुस्लिम बच्चों और युवाओं को बिना सबूत कर रहे गिरफ्तार

माही की गूंज, खरगोन।

जिले में हुई सांप्रदायिक हिंसा के बाद से पुलिस-प्रशासन का ताबड़तोड़ एक्शन जारी है। पुलिस का दावा है कि वो इस हिंसा के आरोपियों को ढूंढ-ढूंढ कर उनपर कड़ी कार्रवाई कर रही है। इस बीच बुधवार को मुस्लिम समुदाय के कुछ लोग खरगोन में पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में पहुंच गए। इन लोगों ने खरगोन हिंसा के बाद पुलिसिया कार्रवाई को लेकर एक ज्ञापन सौंपा है।

मीडिया से बातचीत में समुदाय के लोगों ने कहा, हम मुस्लिम समुदाय के लोग पुलिस की एकतरफा कार्रवाई को लेकर यहां आए हैं। वो लोग बिना पुख्ता सबूत के निर्दोश मुस्लिम बच्चों और युवाओं को गिरफ्तार कर रहे हैं। हमने एसपी से बातचीत की है और कहा है कि हमारे लोगों को रिहा किया जाना चाहिए।

इधर इस पूरे मसले पर खरगोन के एएसपी नीरज चौरसिया ने कहा, कुछ लोग यहां आए थे, वो हमपर हिंसा के बाद गिरफ्तार किये गये लोगों को लेकर दबाव बनाने आए थे। उनसे कहा गया है कि, वीडियो फुटेज के एनालिसिस के बाद निर्दोश लोगों को जरूर रिहा कर दिया जाएगा लेकिन जो लोग भी इस हिंसा में संलिप्त पाए जाएंगे उनपर कड़ी कार्रवाई होगी।

बता दें कि, 10 अप्रैल को रामनवमी के दिन जुलूस निकालने के दौरान खरगोन में हिंसा भड़की थी। इस हिंसा में जमकर बवाल हुआ था और पत्थरबाजी की गई थी। आगजनी की घटना भी सामने आई थी। इतना ही नहीं उपद्रवियों ने एसपी को भी गोली मार दी थी। इस घटना के बाद राज्य की शिवराज सिंह चौहान सरकार ने साफ कहा था कि इस हिंसा के दोषियों को कतई बख्शा नहीं जाएगा और उनपर कड़ी कार्रवाई होगी।

उक्त हिंसा के कई आरोपियों के घरों को बुलडोजर से ध्वस्त किया गया है। पुलिस ने इस मामले में 70 से ज्यादा केस दर्ज किये हैं। इसके अलावा 180 से ज्यादा आरोपियों को गिरफ्तार भी किया गया है।

एसपी पर तलवार तानने वाला आरोपी गिरफ्तार

माही की गूंज, खरगोन।

10 अप्रैल को रामनवमी की जुलूस के दौरान हुई हिंसा के बाद क्षेत्र में उपद्रवियों ने आगजनी और पथराव किया था। इस उपद्रव को कंट्रोल करने गए खरगोन एसपी सिद्धार्थ चौधरी पर भी उपद्रवी ने हमला कर दिया था। एसपी पर गोली चलाने वाला शख्स मोहसिन पहले ही पकड़ा जा चुका है। अब पुलिस अधीक्षक पर तलवार तानने वाला इरफान भी पुलिस के हत्थे चढ़ गया है। घटना के बाद से आरोपी इरफान फरार था। पुलिस ने उसके ठिकाने का पता लगाकर उसे दबोच लिया। अब पुलिस ने उसे ज्यूडिशियल रिमांड पर लिया है। इरफान की गिरफ्तारी में पुलिस को एक महीने का वक्त लग गया।

खरगोन में रामनवमी की जुलूस में पथराव, आगजनी और हिंसा के दौरान संजय नगर क्षेत्र में खरगोन एसपी सिद्धार्थ चौधरी के सामने भीड़ पर तलवार लहरा कर आतंक फैलाने वाले फरार आरोपी इरफान को कोतवाली पुलिस ने 30 दिन के बाद गिरफ्तार किया। हिंसा के समय एक पक्ष पर तलवार लहरा कर भाग रहे आरोपी इरफान का जब एसपी चौधरी पिछा करने भागे थे इस दौरान आरोपी मोहसिन उर्फ वसीम ने पिस्टल से गोली मारकर एसपी को घायल कर दिया था। पुलिस गोली चलाने वाले आरोपी मोहसिन उर्फ वसीम को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

एसपी सिद्धार्थ चौधरी ने बताया कि, हिंसा के दौरान तलवार लहराने वाले आरोपी को ज्यूडिशियल रिमांड पर लिया है। पुलिस फरार उपद्रवियों की लगातार धरपकड कर रही है। बता दें कि पुलिस ने अब तक 185 लोगों को खरगोन में दंगा भड़काने के मामले में गिरफ्तार किया है। हाल ही में खरगोन हिंसा के तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। खरगोन पुलिस ने फरार आरोपियों पर 10-10 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया है।

कॉलेज चलो अभियान के तहत गायत्री शिक्षा निकेतन स्कूल का किया दौरा

माही की गूंज, खरगोन। उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार कॉलेज चलो अभियान के अंतर्गत शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरगोन की 'कॉलेज चलो अभियान की टीम द्वारा गायत्री शिक्षा निकेतन खरगोन का दौरा किया गया। जिसके अंतर्गत हायर सेकेंडरी स्कूल में स्टाफ एवं छात्रों को नवीन शिक्षा नीति, ई प्रवेश प्रक्रिया महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। प्राचार्य डॉ. डीडी महाजन के मार्गदर्शन में संयोजक डॉ. ओएस मेहता एवं टीम के अन्य साथी डॉ. कैलाश चौहान एवं डॉ. गगन पाटीदार द्वारा स्वामी विवेकानन्द कैरियर प्रकोष्ठ, स्पोर्ट्स सुविधा की जानकारी एवं प्रवेश संबंधी समस्याओं के प्रश्नों का समाधान भी किया। इस अवसर पर स्कूल के प्राचार्य हेमंत मेहता एवं स्टाफ के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

आरक्षकों को ड्रोन केमरा संचालन का दिया प्रशिक्षण

माही की गूंज, बड़वानी। पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला के निर्देशन में कानून व्यवस्था की स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए विभिन्न आयोजनों जुलुस, मार्ग व्यावस्था आदि पर निगाह रखने के लिये पुलिस लाईन बड़वानी में रक्षित निरीक्षक इनोद रंधावा के मार्गदर्शन में आरक्षक कमल सोंलकी पुलिस लाईन बड़वानी के द्वारा इकाई के अलग-अलग थाने के 19 आरक्षकों को ड्रोन केमरा संचालन का प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें आरक्षक अरूण राठौड़ थाना पलसूद, आरक्षक महेश चौहान थाना सेंधवा शहर, सउनि दिलीप मुवेल थाना सेंधवा शहर, आरक्षक जेमला मण्डलोई व आरक्षक अनिल बामनिया थाना राजपुर, आरक्षक भगवान प्रजापत व आरक्षक अंतरसिंह रावत थाना पाटी, आरक्षक सुनिल पालीवाल व आरक्षक विशाल पाटील थाना पानसेमल, आरक्षक राकेश चौहान व आरक्षक आत्माराम खौड़े थाना सिलावद, आरक्षक राजकुमार आर्य व आरक्षक महेन्द्र मुजाल्दा थाना निवाली, प्रआर मोहन जमरे व आरक्षक आशाराम बर्डे थाना खेतिया, आरक्षक सतीश पाटीदार व प्रआर प्रशांत सोंलकी थाना जुलवानिया, आरक्षक चेतन जामोद व आरक्षक यादवेन्द्र थाना बड़वानी।

कॉलेज चलो अभियान का उत्साहपूर्वक किया क्रियान्वयन

माही की गूंज, बड़वानी।

कॉलेज चलो अभियान मध्यप्रदेश शासन का एक महत्वपूर्ण आयोजन है। इसके माध्यम से हायर सेकेंडरी विद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षक, विद्यार्थी और उनके अभिभावक उच्च शिक्षा में अध्ययन के अवसरों तथा इससे संबंधित शासन की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जान पाते हैं। विद्यार्थियों को कॉलेज और कोर्स के चयन में बहुमूल्य मार्गदर्शन मिल जाता है। कॅरियर सेल की टीम इस अभियान को उत्साहपूर्वक क्रियान्वित कर रही है। ये बातें शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बड़वानी के प्राचार्य डॉ. एनएल गुप्ता ने कहीं।

आज के लिए कॅरियर सेल की टीम को अभियान पर भेजने के अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. जेके गुप्ता, प्रवेश प्रभारी डॉ. केएस बघेल, डॉ. दिनेश परमार भी उपस्थित थे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं दीं। कार्यकर्तागण प्रीति गुलवानिया, दीपक अग्रवाल, अंकित काग, दीक्षा चैहान, साक्षी परमार, वर्षा मुजाल्दे, स्वाति यादव, तेहरीन खान, पूर्णिमा अहिरवाल, मोनिका, अंबिका मुजाल्दे, कृतिका पोरवाल, जगमोहन गोले, कोमल सोनगड़े, राहुल भंडोले, कन्हैया फूलमाली, दिव्य पाटिल एवं कॉलेज चलो अभियान के प्रभारी कॅरियर काउंसलर तथा प्लेसमेंट ऑफिसर डॉ. मधुसूदन चैबे ने बताया कि हम राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की मुख्य विशेषताओं की जानकारी दे रहे हैं ताकि इस वर्ष हायर सेकेण्डरी परीक्षा पास करने वाले विद्यार्थियों को सुविधा हो सके।

खालिस्तान की वापसी

सिद्धार्थ शंकर

कुछ वर्षों पहले तक लग रहा था कि खालिस्तान के नाम लेवा शायद अब नहीं बचे हैं और गिने-चुने जो स्वयंभू नेता विदेशों में रह रहे हैं, वे भी ठंडे पड़ चुके होंगे। लेकिन 2018 में ब्रिटेन की राजधानी लंदन में भारत के स्वतंत्रता दिवस से तीन दिन पहले खालिस्तान समर्थक संगठन सिख फॉर जस्टिस ने जो रैली निकाली, वह भारत के लिए गंभीर खतरे का संकेत था। इस रैली से तथाकथित खालिस्तान समर्थक नेताओं ने अपनी मौजूदगी का अहसास कराने की कोशिश की थी। इसके जरिए यह संदेश दिया गया था कि अलग राष्ट्र की मांग को लेकर खालिस्तान समर्थकों की लड़ाई खत्म नहीं हुई है। अब इस रैली का असर भारत में दिखने लगा है। हाल की घटनाओं को देखें तो कई में खालिस्तान का नाम सामने आया है। जजों को धमकी, करनाल में 4 आतंकियों का पकड़ा जाना, पटियाला में शिवसैनिकों के साथ झड़प या अब हिमाचल प्रदेश विधानसभा के बाहर झंडे लगाना, सारी कवायद अचानक हुई नहीं है। अगर ताजा घटनाक्रम को देखें तो रविवार सुबह धर्मशाला में हिमाचल प्रदेश विधानसभा के मुख्य द्वार और चारदीवारी पर खालिस्तान के झंडे बंधे मिले थे। दोषियों ने विधानसभा परिसर के भीतरी इलाकों में पुलिस की तैनाती का फायदा उठाकर दीवारों और गेट पर झंडे लगा दिए। विधानसभा परिसर के अंदरूनी हिस्सों में पुलिस तैनात हैं, क्योंकि यह बहुत बड़ा है। इसलिए पोस्टर को दीवार और विधानसभा के मुख्य द्वार पर लगाया गया। जांच में क्या सामने आएगा, यह बाद में पता चलेगा मगर अभी जिस तरह से इस तरह की हरकतें बढ़ी हैं, वह चिंता बढ़ाने वाली हैं। 1990 के दशक में पंजाब के सुपरकॉप केपीएस गिल ने सख्ती से निपटते हुए पंजाब को खालिस्तानी आतंकवादियों से मुक्ति दिलवाने में अहम भूमिका अदा की थी। लेकिन अब ये लोग फिर सिर उठाने लगे हैं। इसमें कोई शक नहीं कि खालिस्तान की मांग को लेकर भारत को अस्थिर करने की कोशिश करने वाले बचे-खुचे नेता ऐसा करते रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। लेकिन गंभीर सवाल यह है कि ढाई दशक बाद फिर से खालिस्तान की मांग को जो हवा दी जा रही है, उसके पीछे आखिर कौन है? सिख फॉर जस्टिस को योजनाबद्ध तरीके से पाला-पोसा जा रहा है। मानवाधिकार संगठन होने का दावा करने वाले इस संगठन के साथ ब्रिटेन की वामपंथी ग्रीन पार्टी खड़ी है। हाउस ऑफ कॉमन्स में इस पार्टी की एकमात्र निर्वाचित नेता कैरोलीन लुकास ने खालिस्तान समर्थकों के पक्ष में यहां तक कहा था कि सिख लोगों को यह निर्धारित करने का हक है कि वे अपने लिए स्वतंत्र पंजाब चाहते हैं। जाहिर है, ब्रिटेन की धरती पर खालिस्तानी नेताओं की पौध तैयार करने का काम चल रहा है। योजना लंबी है कि कब क्या करना है। इससे लोगों के मन में फिर से यह बात बैठेगी कि सिखों का अलग देश खालिस्तान होना चाहिए। भारत ने करीब डेढ़ दशक तक पंजाब के आतंकवाद को झेला है और इसकी भारी कीमत चुकाई है। हजारों निर्दोष भारतीय नागरिक आतंकवादियों की हिंसा का शिकार हुए। अब इस दौर में खालिस्तान की मांग करने वालों की आवाज उस देश से आई है जो आतंकवाद के खात्मे में हर तरह से भारत के साथ होने का दावा करता रहा है और खुद भी इसके खतरों से दो-चार रहा है। सिख फॉर जस्टिस यूरोप के कई देशों में सक्रिय है। अमेरिका और कनाडा में इसके तार हैं। इस साल फरवरी में कनाडा के प्रधानमंत्री के साथ खालिस्तान समर्थक जसपाल अटवाल के संपर्कों का खुलासा भी कम चौंकाने वाला नहीं था। अटवाल 1986 में पंजाब के एक मंत्री की हत्या में दोषी करार दिया गया था और अब कनाडा का नागरिक है। इस तरह की गतिविधियां जिस तेजी से सिर उठा रही हैं, उसे लेकर भारत सरकार को विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है। भारत को उन देशों की सरकारों पर भी दबाव बनाना होगा जहां खालिस्तान के नाम पर आज भी गतिविधियां जारी हैं।

कलेक्टर अपनी अनूठी योजना 'पहुंच' का निरीक्षण करने पहुंचे ग्रामों में

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा अपनी अनूठी योजना ''पहुंच'' का निरीक्षण करने हेतु बुधवार को पुर्नवास बसाहट स्थल छोटी कसरावद एवं ग्राम वेदपुरी पहुंचे। इस दौरान उनके साथ जिला पंचायत सीईओ अनिल कुमार डामोर, एसडीएम बड़वानी घनश्याम धनगर भी थे। कलेक्टर ने पुर्न बसाहट स्थल छोटी कसरावद पहुंचकर जहां ग्रामीणों से चर्चा कर उन्हे ''पहुंच'' अभियान का उद्देश्य बताते हुए मौके पर ही उपलब्ध कराई गई आधार कार्ड, समग्र आईडी, आयुष्मान कार्ड बनवाने की सुविधा से लाभ उठाने का आव्हान किया। वही ग्रामीणों को विभिन्न शासकीय योजनओं की जानकारी देकर प्रोत्साहित किया कि इन योजनाओं से लाभ उठाने के लिए अपना आवेदन एवं समुचित दस्तावेज शिविर के दौरान ही दे। जिससे उनको इन योजनाओं से त्वरित लाभान्वित करवाया जा सके। और यदि इस कार्य में कोई परेशानी आ रही है तो उसका निवारण हो सके। मौके पर कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग की सुपरवाईजर तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से भी ग्राम पंचायत में सम्मिलित ग्रामों में कितने बच्चो के आयुष्मान, समग्र आईडी एवं आधार कार्ड बनना है, इसकी जानकारी प्राप्त की। एवं महिला बाल विकास विभाग के मैदानी अमले के द्वारा तैयार सूची बताने पर जहां उनके प्रयासो की भूरी-भूरी प्रशंसा की। वही उन्हे हिदायत भी दी कि यदि शिविर के दौरान कोई बच्चा किसी प्रकार का कार्ड बनवाने से शेष रह जाता है तो उसका कार्ड ग्राम पंचायत सचिव एवं जीआरए से मिलकर बनवायेगी। जिससे ''पहुंच'' अभियान अपने मकसद में पूरी तरह सफल हो सके। इसी प्रकार कलेक्टर एवं अधिकारियों ने ग्राम वेदपुरी भी पहुंचकर वहां पर चल रहे ''पहुंच'' अभियान में उपस्थित ग्रामीणों से चर्चाकर जानकारी प्राप्त की। इस ग्राम में नेट सिग्नल की समस्या होने पर एक नीम के पेड़ के नीचे चल रहे आधार कार्ड निर्माण कार्य का भी उन्होने वहां पहुंचकर निरीक्षण किया एवं बन गये कार्ड का वितरण अपने हाथों से संबंधितों को किया। साथ ही इस कार्य में संलग्न तहसीलदार बड़वानी श्रीमती आशा परमार एवं उनकी टीम की भी सराहना मौके पर ही की।

इस दौरान कलेक्टर ने एक ग्रामीण द्वारा उनका राशन कार्ड नही बनने की शिकायत करने पर मौके पर ही उपस्थित ग्राम पंचायत सचिव को निर्देशित किया कि, वे उचित पहल कर शिकायतकर्ता का राशन कार्ड बनवायेंगे। शिविर के दौरान कलेक्टर को यह जानकारी मिलने पर कि ग्राम के सरपंच ने ग्राम के बाहर अपने भाई की जमीन पर आंगनवाड़ी भवन बनवा रहे है। जबकि उसे ग्राम में ही होना चाहिए था। इस पर कलेक्टर ने मौके पर ही उपस्थित जिला पंचायत सीईओ एवं एसडीएम को निर्देशित किया कि प्रकरण में समुचित परीक्षण करते हुए यदि सरपंच दोषी पाया जाता है तो उसे पद से पृथक करवाते हुए उससे व्यय की गई राशि वसूली करने की कार्यवाही करेंगे। 12 मई को इन स्थानों पर लगेगा पहुंच शिविर जिले में श्रृंखलाबद्ध तरीके से लग रहे ''पहुंच'' अभियान का अगला शिविर 12 मई को विकासखण्ड राजपुर के ग्राम बघाड़, भोरवाड़ा, छोटी खरगोन, भामी, बुदरा, जलखेड़ा में, विकासखण्ड ठीकरी के ग्राम दवाना, चिचली (नवाड़ाखेड़ी) में लगाया जायेगा।

शासन उठा रही है शिवम के उपचार का जिम्मा- प्रभारी मंत्री

माही की गूंज, खरगोन।

प्रदेश के कृषि व जिले के प्रभारी मंत्री कमल पटेल ने खरगोन में 10 अप्रैल को हुए उपद्रव में घायल शिवम शुक्ला से वीडियो कॉल के माध्यम से स्वास्थ्य की जानकारी ली। प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने करीब 2 मिनट के इस कॉल में शिवम से कहा कि, जब तक पूरा आराम न हो अस्पताल में ही आराम करें। आपके उपचार में जो भी खर्च हुआ है वो सब शासन उठा रही है। अब तक अस्पताल प्रबंधन को 5 लाख 50 हजार रुपये का भुगतान कर दिया गया है। आगे के इलाज की भी चिंता न करें शासन आपको फिर से स्वस्थ कर घर पहुचायेगी।

प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने शिवम के साथ अस्पताल में अटेंडर विशाल से बात करते हुए कहा कि, अपनी जेब से एक भी पैसे का भुगतान न करें। मैं खरगोन आते ही शिवम और परिजनों से पुनः भेंट करूंगा। शिवम आश्वस्त रहे उपचार में शासन कोई भी कमी नहीं रहने देगी। ज्ञात हो कि शिवम शुक्ला का इंदौर के एक निजी अस्पताल में करीब 1 माह से भर्ती है और वहाँ उपचार किया जा रहा है। शासन ने शिवम शुक्ला के उपचार में कोई कमी न रहे इसके लिए इंदौर कलेक्टर को भी जिम्मेदारी दी है।

छोटी आमदनी भी हो यह जरूरी है- पीएस श्री सिन्हा

माही की गूंज, खरगोन।

श्रम विभाग के पीएस सचिन सिन्हा जिले के भ्रमण पर रहे। कलेक्टर सभाकक्ष में बैठक के पश्चात पीएस श्री सिन्हा आकांशी जनपद झिरन्या में व्यवस्थाओं का जायजा लेने पहुँचे। पीएस श्री सिन्हा ने बोन्दरनिया फाटे पर आजीविका समूह महिलाओं द्वारा सिलाई केंद्र का अवलोकन किया।

अवलोकन के दौरान समूह की रेखा संजय मोरे ने बताया कि, स्व सहायता समूह से जुड़ने के बाद मेरे साथ ही करीब 12 महिलाओं की आमदनी बड़ी है। मैंने आरसेटी से सिलाई प्रशिक्षण लिया और फिर पथ विक्रेता योजना के तहत 10 हजार रुपये का लोन लिया। जिससे मैंने मशीन खरीदी है। आज मेरे घर पर चार मशीने हो गई है। अब मेरे साथ अन्य महिलाएं भी सिलाई सीख गई है। हम पेटीकोट, ब्लाउज के साथ अन्य सिलाई कार्य भी कर लेते है। पीएस श्री सिन्हा ने रेखा से आमदनी के बारे में जानकारी ली। रेखा ने कहा कि मेरी स्वयं की लगभग 10 हजार है और मेरे साथ अन्य महिलाओं की 5-6 हजार रूपये की आमदनी हो जाती है।

पीएस श्री सिन्हा ने महिलाओं का हौसला अफजाई करते हुए कहा कि, छोटी-छोटी आमदनी घर के लिए बड़ा काम करती है। इसलिए इस तरह की छोटी आमदनी भी जरूरी होती है। इससे पूर्व पीएस श्री सिन्हा ने एकलव्य आदर्श आवासीय परिसर का अवलोकन किया। इसके अलावा झिरन्या पंचायत में 15 वे वित्त और मनरेगा के तहत किये गए निर्माण कार्यों को भी देखा। यहां नदी पर डब्ल्यूएसपी और सेग्रिगेशन शेड के कार्यों की प्रशंसा की। इसके अलावा पीएस श्री सिन्हा ने बोखरानिया में एनटीपीसी द्वारा निर्मित शौचालय और चेक डेम का अवलोकन किया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ दिव्यांक सिंह, एसडीएम सुश्री शिराली जैन, जनपद सीईओ महेन्द्र पाटीदार, श्रम अधिकारी शैलेन्द्र सोलंकी उपस्थित रहे।

पुलिस स्टॉफ व परिजनों का स्वास्थ्य परीक्षण शिविर हुआ आयोजित

माही की गूंज, अलीराजपुर।

पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह के दिशा निर्देश अनुसार जिले के समस्त थानान्तगर्त पुलिस स्टॉफ एवं उनके परिजनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। इसी कडी में कोतवाली अलीराजपुर अंतगर्त पुलिस स्टॉफ एवं उनके परिजनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

एसडीओपी सुश्री श्रृद्धा सोनकर ने बताया, प्रत्येक स्टॉफ सदस्य एवं परिजनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। जिन भी स्टॉफ सदस्यों एवं उनके परिजनों का आवयक स्वास्थ्य संबंधित जानकारी भी प्रदान की जा रही है।

वाहनों की शोभा बने हूटर, मोटर व्हीकल एक्ट के उल्लंघन पर नहीं होती कार्रवाई

चल रहा वीआईपी कल्चर, बज रहे हूटर से बुजुर्ग, बच्चे, मरीज परेशान

माही की गूंज, अलीराजपुर।

जिला मुख्यालय में इन दिनों शहर में वीआईपी कल्चर खूब देखने को मिल रहा है। निजी वाहनों में भी लोगों ने हूटर लगवाए हुए हैं। शहर में अधिकांश वाहन हूटर लगे हुए है। जाम में फंसने पर चालक हूटर बजा देते हैं, जिससे दोपहिया सवार बुजुर्ग, बच्चे व बीमार लोगों को परेशानी होती है। इतना ही नहीं, शाम होते ही युवा सड़कों पर हूटर बजाकर हुड़दंग मचाते हैं। लेकिन पुलिस का इस पर ध्यान नहीं है। कुछ वर्षो पहले सुप्रीम कोर्ट की तरफ से निजी वाहनों में हूटर नहीं लगवाने के संबंध में आदेश जारी किए थे। जिसका असर शुरूआत में खूब दिखा। पुलिस ने ताबड़तोड़ कार्रवाई कर वाहनों से हूटर उतरवाए। चालकों के चालान भी किए गए। लेकिन, समय के साथ-साथ सब बेपटरी होने लगा। आज शहर की अधिकांश वाहनों में हूटर लगे मिल जाएंगे। खास बात है कि हूटर वाहन के किस हिस्से में लगा है, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल होता है। चोर बटन के सहारे चालक इसे कंट्रोल करते हैं।

जाम से निकलने के लिए बजता हूटर

शहर में आए दिन जाम की स्थिति बनी रहती है। ऐसे में पहले निकलने की होड़ में वाहन चालक हूटर का इस्तेमाल करते हैं। जैसे ही वाहन जाम में फंसता है, चालक हूटर बजा देता है। जिससे जाम में फंसे अन्य चालकों को परेशानी होती है। हूटर से रात में भी मचता है। हुड़दंग हाईवे पर रात में युवा अपने वाहन से हूटर बजाकर जमकर हुडदंग मचाते हैं। रात के समय शहर के अधिकांश होटलों के बाहर यह सिलसिला चलता रहता है। केवल टशन दिखाने के मकसद से ही हूटरों का इस्मेताल किया जा रहा है।

कौन कर सकता इसका प्रयोग

हूटर, सायरन गाडियों का प्रयोग हर कोई नहीं कर सकता। एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड की गाड़ी के अलावा कभी-कभी पुलिसकर्मी ही आकस्मिक हालत में हूटर का प्रयोग कर सकतें है।

यातायात पुलिस थाने के सामने से रोजाना निजी वाहन हूटर बजा कर निकलते है। जिसपर कोई कार्रवाई नही की जाती। आखिर ऐसा क्यों...? या इनपर कोई नियम लागू नही होता...! न ही इन पर चलानी कार्रवाई होती है। होती तो सिर्फ गरीब वर्ग के लोगों पर, वो भी हेलमेट के नाम पर जो रोज हाट बाजार कर दो वक्त की रोटी खाते। उन पर नही जो ऐसी में घूम रहे। अब ये देखना की खबर प्रकाशित होने के बाद यातायात विभाग इन हूटर लगे वाहन पर क्या कार्रवाई करता...? या गरीब लोगों के हेलमेट के नाम पर सीमित है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित हुई गौरव दिवस आयोजन की बैठक, दो दिन घर-घर जलेंगे दीपक बनेगी रंगोली

माही की गूंज, अलीराजपुर।

कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में अलीराजपुर जिला स्थापना दिवस गौरव दिवस के रूप में मनाए जाने हेतु जनप्रतिनिधिगण, गणमान्यजन, विभिन्न सामाजिक संगठनों, व्यापारी संगठनों, महिला मंडल, मीडियाजनों के साथ आयोजन संबंधित बैठक आयोजित हुई। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने गौरव दिवस के पूरे आयोजन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने 11 मई से 17 मई तक आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि, उक्त आयोजन पूरे जिलेवासियों का है। इसमें सभी सहभागिता करें।

बैठक में पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह ने सभी का आह्वान किया कि, गौरव दिवस के तहत आयोजित होने वाले प्रत्येक कार्यक्रम में जिले के प्रत्येक जनमानस सक्रिय सहभागिता करें। बैठक में व्यापारिक प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधिगण, मीडियाकर्मियों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधिगण ने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष अलीराजपुर रितेश डावर सहित बडी संख्या में सामाजिक संगठनों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों व मीडियाकर्मी उपस्थित थे।

बैठक में सवार्नुमति से सभी ने सुझाव दिए कि, 11 मई को आयोजित होने वाली आमंत्रण रैली में सभी सहभागिता करते हुए आमजन को भी पूरे आयोजन से जोडने का आह्वान करेंगे। अलग-अलग तिथियों में आयोजित होने वाले कायर्क्रमों में बच्चें, महिला-पुरूष आदि पूरे उत्साह से सहभागिता करें। गौरव दिवस के अवसर पर 16 व 17 मई को घर-घर दीपक जलाए जाए तथा रंगोली बनाई जाए। साथ ही नगर के प्रमुख चैराहों पर आतिशबाजी की जाए। उक्त पूरे आयोजन में हर वर्ग के व्यक्ति सक्रिय सहभागिता करते हुए गौरव उत्सव के आयोजन को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान करने में सहभागिता करें।

विशेष पहल: लाडली लक्ष्मी बालिकाओं एवं महिला अधिकारियों का टॉक शो हुआ आयोजित

माही की गूंज, अलीराजपुर।

कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में लाडली लक्ष्मी उत्सव के अंतर्गत जिलेभर की सीडीपीओ क्षेत्रान्तगर्त चिन्हांकिन लाडली लक्ष्मी बालिकाओं का टॉक शो कलेक्टोरेट आडिटोरियम में आयोजित हुआ। इस टॉक शो में जिले में विभिन्न पदों पर पदस्थ महिला अधिकारियों से बालिकाओं ने केरियर, आत्म सुरक्षा, आगे बढने व संघर्ष पर जीत हासिल करने सहित कई प्रश्न पूछे। महिला अधिकारीगण ने बालिकाओं के प्रश्नों को उत्तर देते हुए उनका हौसला बढाया।

टॉक शो में दर्शक की भूमिका में कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह थे। मंच पर मुख्य कायर्पालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती संस्कृति जैन, एसडीएम अलीराजपुर श्रीमती लक्ष्मी गामड, एसडीओपी सुश्री श्रृद्धा सोनकर, डीपीओ महिला एवं बाल विकास श्रीमती शिवकली बरवडे, डीपीएम एनआरएलएम सुश्री सोनू सुशीला यादव, डीपीएम एनआरएचएम श्रीमती प्रीती राठौर, श्रीमती अंजू सिसौदिया सहित अन्य महिला अधिकारीगण थे। बालिकाओं ने पूरे उत्साह और बगैर किसी भय और चिन्ता के साथ बैबाकी से केरियर, आत्म रक्षा, आगे बढने सहित कई प्रश्न पूछे। जिनका उत्तर महिला अधिकारीगण ने दिया।

सीईओ जिला पंचायत श्रीमती जैन ने बालिकाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा, आप पूरे मन से आगे बढे। उन्होंने बालिकाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा, कभी भी निराश न हो। सदैव आगे बढने की सोच रखते हुए प्रयास करें। कभी भी कोई काम छोटा नहीं होता। लगन से किसी भी काम को महत्वपूर्ण बनाया जा सकता है। इस अवसर पर अन्य महिला अधिकारीगण ने भी बालिकाओं को प्रोत्साहित करते हुए उनका आत्म विवास बढाया।

कायर्क्रम के समापन अवसर पर कलेक्टर श्री सिंह ने उक्त आयोजन के महत्व पर प्रकाश डालते बालिकाओं का प्रोत्साहित करते हुए कहा कि, कडी मेहनत करें। बडे सपने देंखे। किसी भी स्थिति में पढाई को अधूरा न छोडे। विभिन्न विधाओं के द्वार खुले है। जो मन में हो उस विधा में पारंगत बनें।

कायर्क्रम को पुलिस अधीक्षक श्री सिंह ने संबोधित करते हुए कहा, सदैव बढे लक्ष्य लेकर आगे बढे। सपने खुली आंखों से देखें। उन्होंने बालिकाओं को आगे बढने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर जिलेभर की लाडली लक्ष्मी बालिकाएं उपस्थित थीं।

पटेल का निष्कासन समाप्त होने से कांग्रेसियों में हर्ष

माही की गूंज, आम्बुआ। भगोरिया पर जोबट में कांग्रेस पार्टी के नेताओं के बीच अप्रत्याशित वाद विवाद के बाद जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व जिलाध्यक्ष महेश पटेल को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा पार्टी निष्कासित कर देने के बाद से जिले के पार्टी कार्यकर्ता मायूस नजर आ रहे थे। कारण यह कि, महेश पटेल विगत वर्षो से पार्टी को संगठित कर पार्टी का झंडा बुलंद करते आ रहे थे। विवाद को अधिक न बढ़ाते हुए तथा आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने महेश पटेल का निष्कासन रद्द कर दिया। जिसके समाचार के बाद पार्टी में हर्ष व्याप्त है। कार्यकर्ताओं ने कमलनाथ, दिग्विजय, बाला बच्चन, कांतिलाल भूरिया, सुरेंद्र सिंह (हनी) बघेल आदि का आभार मानते हुए पार्टी को मजबूत करने का संकल्प लिया। आम्बुआ-बोरझाड़ से डॉ. राजेंद्र सिंह राठौर, नारायण सिंह चौहान, अजमेर सिंह रावत, अमान पठान, हासीम अली, मुस्तू भाई आदि ने हर्ष व्यक्त किया।

स्व. सुश्री कलावती की मूर्ति स्थापना पर कार्यकर्ताओं ने श्रद्धा सुमन किए अर्पित

माही की गूंज, आम्बुआ।

विधानसभा क्षेत्र जोबट की पूर्व विधायक स्व. सुश्री कलावती भूरिया जिनका स्वर्गवास विगत वर्ष कोरोना काल में हो गया था कि, परिवार द्वारा ग्रह ग्राम मोरडूडिया में एक प्रतिमा स्थापित की गई। उन्हीं के पास उनके भाई स्व. वीरेंद्र सिंह भूरिया जिनका निधन भी विगत वर्ष हो गया था कि मूर्ति भी स्थापित की जाने पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

विधानसभा क्षेत्र की कांग्रेस नेत्री तथा दबंग विधायक रही सुश्री कलावती भूरिया जो विधायक बनने के पूर्व तक झाबुआ जिला पंचायत की वर्षों तक अध्यक्ष रहे मृदुभाषी मिलनसार थी। विरोधियों के सामने शेरनी की तरह खड़ी हो जाने वाली सुश्री भूरिया विधानसभा क्षेत्र जोबट में अपने अल्प कार्यकाल में जनता की प्रिय बन गई थी। पार्टी कार्यकर्ता हो या विधानसभा क्षेत्र का आम नागरिक उन्हें जब भी याद करता वे तत्काल उपस्थित रहकर या फिर दूरभाष पर समस्याएं हल करने को तत्पर रहती थी। पूर्व विधायक सुश्री कलावती भूरिया का स्वर्गवास कोरोना काल में हो जाने से उनके अंतिम संस्कार में कार्यकर्ता उपस्थित नहीं हो सके थे। इस कारण उनके गृह ग्राम मोरडूडिया में उनकी मूर्ति (गाता) स्थापित की गई। जिस पर अलीराजपुर जिले तथा विधानसभा क्षेत्र जोबट के पार्टी कार्यकर्ताओं ने वहां जाकर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। कार्यक्रम में अलीराजपुर विधायक मुकेश पटेल, कार्यवाहक जिला कांग्रेस अध्यक्ष ओम राठौड़, राजेंद्र सिंह राठौर, नारायण सिंह चौहान, कमलसिंह कनेश, अमान पठान, रमेश डावर(उण्डवा), हासीम अली, सिराज खान, रमेश बघेल, वेस्ता पचाया, सारीक खान, जगराम विश्वकर्मा तथा जोबट से रफीक मोहम्मद (बादशाह), मोनू बाबा, केसर सिंह डावर, सिमरोन बामनिया (पार्षद), महेश मेहड़ा आदि ने स्व. श्री कलावती भूरिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

कमरतोड़ महंगाई से त्रस्त हो रही जनता

माही की गूंज, मंदसौर।

पिछले कुछ वर्षों में निरंतर जिस तेजी के साथ देश में महंगाई बढ़ी है, उससे गरीब तबका तो पहले से ही परेशान है, लेकिन अब तो एक मध्यमवर्गीय परिवार को भी अपनी आय और व्यय में सामंजस्य बैठाना बेहद मुश्किल हो रहा है। चिंता की बात यह है कि, महंगाई के प्रकोप के लंबें समय से चले आ रहे हालातों में सुधार होने की जगह परिस्थितियां दिन-प्रतिदिन विकट होती जा रही हैं। दैनिक खर्चा भी पहले की भांति सही ढंग से पूरा नहीं हो पा रहा है। ऐसी विकट परिस्थितियों में लोगों को केंद्र व राज्य सरकारों के स्तर से महंगाई से राहत मिलने की उम्मीद पर पानी फिरता नज़र आ रहा हे। देश की जनता अब रोज-रोज तेजी से बढ़ती कमरतोड़ महंगाई से बेहद त्रस्त नज़र आने लगी है। अगर गैस सिलेंडर कि बात कि जाए तो जब ऑयल कम्पनियों की ओर से शनिवार को अचानक 14.2 किलोग्राम के एलपीजी घरेलू गैस सिलेण्डर के दाम बढ़ाकर उपभोक्ताओं को तगड़ा झटका दिया है। गैस सिलेण्डर पर सीधे तौर पर 50 रुपए की बढ़ोतरी की गई है, जो शनिवार से ही लागू हो गई है। मंदसौर जिले में अब एलपीजी गैस सिलेण्डर एक हजार 75 रुपये 50 पैसे में मिलेगा।

अचानक हुई बढ़ोतरी

गैस एजेन्सी संचालकों का कहना है कि, ऑयल कम्पनियों की ओर से अमूमन माह ही पहली तारीख को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल और गैस के दामों की समीक्षा करने के बाद निर्णय होता है। एक मई को कमर्शियल गैस सिलेण्डरों के दाम बढ़ाए थे। शनिवार को घरेलू गैस सिलेण्डरों के दाम बढ़ा दिए हैं। कमर्शियल गैस सिलेण्डर के दामों में कमी की है। गैस एजेन्सी संचालकों के पास भी बढ़ोतरी का मैसेज रात को भेजा गया था।

कोविड के वक्त सब्सिडी बंद हुई

गैस एजेन्सी संचालकों का कहना है कि कोविड से पहले तक घरेलू गैस सिलेण्डरों की सब्सिडी जारी हो रही थी। कोविड के दौरान यह सब्सिडी बंद कर दी गई थी। मगर अभी तक सब्सिडी भी आ रही है।

धड़ल्ले से हो रहा है घरेलू सिलेंडरों का उपयोग

खुले आम नियमों को ताक पर रखकर घर में उपयोग होने वाले गैस सिलेंडरों को दुकानदार और चाय नाश्ता ठेले और कई नाश्ता दुकान वाले अपने व्यापार के लिए उपयोग कर रहे हैं। वहीं शहर के कई होटलों पर भी इसका उपयोग किया जा रहा है। कई ठेले वालों ने और दुकानदारों ने अपने नाम पर व्यावसायिक सिलेंडरों का रजिस्ट्रेशन तो करा रखा है लेकिन ये सिलेंडर मंहगा पड़ने की वजह से घरेलू सिलेंडरों का उपयोग वे खुलेआम अपनी दुकानों पर कर रहे हैं। घरेलू सिलेंडर सस्ता होने की वजह से जिले के कई दुकानदार और ठेलेवाले और होटल संचालक तक के पास व्यावसायिक गैस सिलेंडरों का कनेक्शन नहीं होने से वे घरेलू गैस सिलेंडरों का खुलेआम उपयोग कर रहे हैं। जबकि व्यापार के लिए व्यावसायिक गैस सिलेंडर का उपयोग करना अनिवार्य है लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। वहीं कई दुकानदार कार्रवाई से बचने के लिए सामने तो व्यावसायिक सिलेंडर रखते हैं लेकिन अंदर वे भी घरेलू गैस सिलेंडरों का उपयोग किया जा रहा है। खास बात यह है कि इन सिलेंडरों का खुलेआम उपयोग होने के बाद भी खाद्य विभाग का इस ओर कोई ध्यान ही नहीं है न ही इस पर कोई कार्रवाई की जा रही है।

ये कहना है गृहणियों का...

गृहिणी पुष्पा अनिल नाहर ने बताया, गैस सिलेंडर की कीमते लगातार बढने से रसोई घर का बजट गडबडा गया है। सरकार को गेस की कीमतो मे हो रही वृद्दि को रोकना चाहिये रसोई गैस मुलभुत आवश्यकता मे से एक है।

गृहणी सोनी दुर्गेश पटेल ने बताया, सरकार ने रसोई गैस के दाम बढ़ाकर लोगों की कमर तोड़ दी है। पिछले 15 दिनों में गैस सिलिंडर 50 रुपए महंगा हो गया है।

गृहिणी नशरा अगवान ने बताया, हर महीने गैस सिलिंडर के दामों को बढ़ाया जा रहा है। ऐसे में रसोई चलानी मुश्किल हो गई है। कीमतों में इतना उछाल आना परेशान करने वाला है।

गृहिणी हेमलता सुभाष बागडी ने बताया, सरकार गैस के दाम से बढ़ा रही है, लेकिन सब्सिडी कितनी मिलेगी, इसका पता नहीं। सब्जी के दाम भी आसमान छू रहे हैं। ऐसे में रसोई का बजट दिनोंदिन बिगड़ता जा रहा है।

लाडली लक्ष्मी बालिकाओं ने एसपी ऑफिस का किया शैक्षणिक भ्रमण

माही की गूंज, अलीराजपुर।

लाडली लक्ष्मी उत्सव के तहत जिलेभर की लाडली लक्ष्मी बालिकाओं ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय थाना कोतवाली में यहां स्थित स्थापना, आवक-जावक, शिकायत, सायबर आदि शाखाओं का अवलोकन किया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बालिकाओं ने संवाद किया। उन्होंने पुलिस द्वारा किस तरह से कार्य किया जाता है इसके बारे में अपने प्रश्न भी पूछे। बालिकाओं को यातायात व्यवस्था, महिला हैल्प लाइन सहित पुलिस किस तरह से मुतैदी के साथ कानून व्यवस्था के कार्य को करती है इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस दौरान एसडीओपी अलीराजपुर सुश्री श्रृद्धा सोनकर ने बालिकाओं को पूरा भ्रमण करवाते हुए बालिकाओं को पुलिस के कार्यो की जानकारी दी।

शिक्षा राज्य एवं झाबुआ जिले के प्रभारी मंत्री इंदरसिंह परमार की बहू ने लगाई फांसी

माही की गूंज, डेस्क न्यूज

शाजापुर। मध्यप्रदेश के राज्य शिक्षा एवं सामान्य प्रशासन मंत्री तथा झाबुआ जिले के प्रभारी मंत्री इंदरसिंह परमार के घर से चौंकाने वाली खबर सामने आई है। जानकारी के मुताबिक मंत्री इंदरसिंह परमार की बहू सविता परमार ने फांसी लगाकर जान दे दी है।

घटना शाजापुर जिले के कलापीपाल तहसील के पोंचानेर गांव में घटी है। यहां मंत्री इंदरसिंह परमार की बहू सविता ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मंगलवार शाम हुई घटना के बाद बुधवार सुबह शुजालपुर सिविल अस्पताल में पोस्टमॉर्टम के बाद सविता का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

दरअसल घटना शाम को कालापीपल तहसील के पोंचानेर गांव में घटी है। वही मंत्री के परिवार से कोई भी इस मामलें में बोलने से बच रहे है। मामला हाई प्रोफाइल होने के कारण पुलिस भी कुछ कहने से बच रही है। फिलहाल मंत्री इंदर सिंह परमार का भी फोन बंद बताया जा रहा था। इस घटना के बाद पोंचानेर गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। बताया जा रहा है कि सविता की 3 साल पहले इंदर सिंह परमार के बेटे देवराज के साथ शादी हुई थी। सूत्रों के मुताबिक जिस समय सविता परमार ने फासी लगाई उस समय उनके पति देवराज परमार पास के ही गांव मोहम्मद खेड़ा में शादी समारोह में सम्मिलित होने गए थे, तो मंत्री इंदर सिंह परमार भी भोपाल में थे। सविता परमार अपने मायके ग्राम हडलाय कला से घटना के 2 रोज पहले ही ससुराल आई थी, जिसके बाद उसने मंगलवार शाम करीब साढे 5 बजे फांसी के फंदे पर झुल गई। सूत्रों के मुताबिक फांसी लगा ने की वजह कई महीनो से पति देवराज परमार की प्रताड़ना का कारण नगर में चर्चा का विषय बन रहा हैं। बुधवार सुबह जब पोस्टमार्टम के समय सविता परमार के मायके वालों का रो-रो कर बुरा हाल था पोस्टमार्टम होने के बाद मोके पर मंत्री के भतीजे व पीए दिपक परमार को शव सुपुर्द किया। पोचानेर गांव ले जाकर अंतिम संस्कार किया गया। बताया जा रहा है हॉस्पीटल परिसर में मृतक के परिवार के एक भाई नें रो-रोकर मृतक बहन के पिता से कहते नजर आए कि, दो दिन पहले संभल जाते तो मेरी बहन व बेटी परिवार से नही बिछडती।

राजपत्रित अफसर को मिली जांच

इस मामले में एडिशनल एसपी टीएस बघेल ने मीडिया को बताया कि, मामले की सूचना दर्ज कर शुरुआती जांच की जा रही है। बता दें कि, सविता का विवाह इंदरसिह परमार के बेटे देवराज परमार से करीब तीन वर्ष पहले हुआ था। एसपी बघेल ने बताया कि, नव विवाहिता की असामयिक मौत हुई है। उन्होंने बताया कि, मर्ग कायम कर (सूचना रिकॉर्ड में दर्ज कर) पोस्टमॉर्टम कराया गया है। राजपत्रित अधिकारी को इसकी जांच और विवेचना पर लगाया गया है, जो भी निष्कर्ष निकलता है उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नगर की बिटिया के होसलों के दम पर बड़ी उड़ान

उज्जैन डिविजन की सीनियर टीम मे हुआ चयन, 17 मई से ग्वालियर में दिखाएगी जौहर

माही की गूंज ,पेटलावद।

नगर की बिटिया जिसने एक बार फिर नगर ही नहीं अपने जिले का नाम भी गौरांवित किया है। नगर के चौधरी परिवार मे जन्मी व माडल स्कूल की कक्षा 12 वी मे पढ़ने वाली छात्रा देवांशी महेंद्र चौधरी, जो कठिन परिश्रम व अपने बड़े पापा भरत चौधरी व हिमांशु बैरागी, राजेश चावरे से कोचिंग प्राप्त कर मात्र 17 वर्ष की बालिका का चयन एमपीसीए द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता सीनियर डिविजन टीम मे हुआ है। प्रतियोगिता ग्वालियर में 17 मई से आयोजित होगी।

देवांशी चौधरी वैसे स्कूल गेम्स मे राष्ट्रीय स्तरीय खिलाड़ी रह चुकी है। जो मध्यप्रदेश टीम की तरफ़ से आंध्रप्रदेश में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में खेल चुकी हैं। जब आधुनिकता के दौर में बच्चे मोबाइल मे केद हो कर रह गये हैं और प्रतिस्पर्धा की दौड़ में माता-पिता पढ़ाई में बच्चो का जीवन झौकते है वही चौधरी परिवार ने बच्चो को खेल के प्रति जागरूक किया। देवांशी के बड़े भाई तरुण राज्य स्तरीय शतरंज के प्लेयर है तो, बड़ा भाई जयेश भी राष्ट्रीय क्रिकेट खिलाडी है। कोच हिमांशु बैरागी बताते है की, जब सभी लोग 43 डिग्री तापमान मे एसी, कूलर का आनंद लेते हैं तब देवांशी 50/50 ओवर के मैच खेलती है, और जुनून इतना की रोजाना आठ घंटे पसीना बहाती है। रोजाना 5 हजार स्कीपिंग करती है, देवांशी कहती है की, ये बहुत छोटी उपलब्धि हैं या यूं कहूँ की परिंदों मे अभी बहुत जान बाकि है ये तो छोटी सी है उड़ान अभी सारा जहां मापना बाकी हैं।

स्वास्थ्य विभाग की महिला कर्मचारी के जीपीएफ खाते से ढाई लाख निकाले

महिला कर्मचारी ने विभाग के लेखापालों पर लगाया आरोप , कई बार शिकायत के बाद भी नहीं हुआ निराकरण

माही की गूंज, सारंगी। संजय उपाध्याय

स्वास्थ्य विभाग में पदस्थ महिला कर्मचारी के साथ विभागीय रिकॉर्ड अनुसार रिटायर्ड होने पर मिलने वाली राशि मे हेरा-फेरी का मामला आया है। महिला उक्त मामले में कई बार शिकायत कर चुकी है, लेकिन अब तक उसका निराकरण नही हुआ। स्वास्थ्य कार्यकर्ता सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पेटलावद उपस्वास्थ्य केन्द्र बाछीखेड़ा में विगत 20 वर्षों से कार्यरत मंजुला सिंह (पंवार) के जीपीएफ खाता क्रमांक एम/41418 से वर्ष 2008-2009 में रूपये डेढ लाख एवं वर्ष 2013 में एक लाख कुल ढाई लाख रूपये जीपीएफ खाता क्रमांक 41418 से अन्य किसी कर्मचारी एवं लेखापालों के द्वारा महिला खाते से राशि आहरण की गई है। इसके सम्बंध में पूर्व में भी महिला कर्मचारी द्वारा वर्ष 2008-2009 में भी कलेक्टर महोदय को अवगत कराया गया था। किन्तु इस संबंध में कोई भी कार्रवाई नही की गई है। महिला ने जिला कलेक्टर को दोबारा शिकायत की कि जीपीएफ की राशि मे हुई हेरा-फेरी की शिकायत की मांग की है। महिला कर्मचारी ने बताया कि, शिकायत के बाद मुझे इस संबंध में जीपीएफ स्लिप प्राप्त होने पर जानकारी प्राप्त हुई की, मेरे जीपीएफ खाते से राशि आहरण की गई है। मैनें पूरे सेवाकाल में जीपीएफ पार्ट फाईनल के लिये आवेदन प्रस्तुत ही नहीं किया गया और मैं जुलाई माह 2022 में सेवानिवृत्त होने जा रही हूँ। ऐसी स्थिति में उचित जॉच करवाकर रूपये ढाई लाख मेरे जीपीएफ खाते में समायोजन कराने हेतु कार्रवाई की मांग की है।

मस्जिद के नीचे शिव मंदिर का दावा

माही की गूंज, उज्जैन।

उज्जैन के एक मस्जिद में शिव मंदिर होने के दावे पर अब पुरात्तव विभाग ने भी अपनी मुहर लगा दी है। इससे पहले मंगलवार को आवह्वान अखाड़े के महामंडलेश्वर व अखंड हिन्दू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष संत अतुलेशानंद सरस्वती महाराज उर्फ आचार्य शेखर द्वारा किए गए मस्जिद में शिव मंदिर होने के दावे पर दूसरे दिन बुधवार को पुरातत्व विभाग ने इसपर मुहर लगा दी है। विक्रम विश्वविद्यालय के पुरातत्व विभाग ने राजा भोज के समय मे मुगलों द्वारा आक्रमण के दौरान बिखरे अवशेष दिखाते हुए मीडिया से कहा है कि ये वहीं स्तम्भ हैं जो दानीगेट क्षेत्र में राजा भोज की पाठशाला को तोड़ने के बाद विभाग ने क्षेत्र से समेटे थे।

इसी बात का दावा आचार्य शेखर ने भी किया था कि, दानीगेट क्षेत्र में जो बिना नींव की मस्जिद बनाई गई है उसे राजा भोज की पाठ शाला को तोड़ बनाया गया है, जहां शिव मंदिर हुआ करता था। अब पुरातत्त्व विभाग की पुष्टि होते ही आचार्य शेखर ने एक बार फिर कहा है कि, वो इस मामले में कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे और उसके बाद मस्जिद में अखंड रामायण का पाठ व हनुमान चालीसा का पाठ किया जाना तय है।

फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी की उठी मांग

दरअसल, शहर के दानी गेट क्षेत्र में वर्षों पुरानी एक मस्जिद है जिसे बिना नींव की मस्जिद कहा जाता है। इस मस्जिद को लेकर अतुलेशानंद सरस्वती ने दावा किया कि, वर्ष 2007 में उन्होंने खुद मस्जिद में गणेश प्रतिमा व अन्य प्राचीन अवशेष देखे हैं। ज्ञानवापी मस्जिद की तरह बिना नींव की मस्जिद की भी फ़ोटोग्राफी व वीडियोग्राफी की मांग आचार्य ने उठाई और कहा इसके लिए कोर्ट तक जाना पड़ा तो जाएंगे।

पुरात्तव विभाग ने लगाई मुहर

अब मस्जिद के अंदर की कुछ तस्वीरें सामने आई हैं। इन फ़ोटो को लेकर हमने शासकीय विक्रम विश्वविध्यालय के पुरातत्व विभाग से बात की तो प्रोफ़ेसर रमण सोलंकी ने इसकी पुष्टि कर दी और कहा कि दानीगेट क्षेत्र में राजा भोज के समय मे आक्रमण हुआ था। राजा भोज की पाठशाला को ध्वस्त किया गया था जिसके अवशेष आज भी हमारे पास हैं।

पुरतत्व विभाग के हेड ऑफ़ डिपार्टमेंट रमन सोलंकी ने कहा कि, जो तस्वीरें दिखाई दे रही हैं (मस्जिद के अंदर की) वो परमार कालीन हैं। शिल्पकला की दृष्टि से चूकि ये उज्जैन में हैं इसलिए कहा जा सकता है ये एक हजार वर्ष पुराने और राजा भोज के शासन काल के हैं।

राजा भोज से है कनेक्शन

बताया जा रहा है कि, राजा भोज का जो धार जिले में सरस्वती कंठाभरण विश्व विद्यालय है, उसका एक भाग पाठशाला रूप में उज्जैन के दानीगेट क्षेत्र में था। जहां विद्वान रहा करते थे और संस्कृत का पाठ किया करते थे। यह भी बताया जा रहा है कि, खुद प्रधानमंत्री रही इंदिरा गांधी ने पद्मश्री वाकणकर को पद्म से नवाजा था जिन्होंने कई खोज की थी।

वाकणकर खुद बताते थे कि, शिप्रा तट किनारे एक मंदिर था जो महाकालेश्वर से दानी के क्षेत्र में है, राजा भोज के समय वहां उनकी एक पाठशाला रही है। अब कई धर्मावलंबियों ने अपने स्थल बना लिए हैं।

पुरातत्व विभाग द्वारा पुष्टि होने के बाद संत ने कहा कि, आने वाले समय में हम कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाने के बाद यहां अखंड रामायण का पाठ व हनुमान चालीसा का पाठ निश्चित तौर पर करेंगे। राजा भोज हमारे 11 वें शासक थे उनके द्वारा जो मंदिर बनाया गया शिव मंदिर जहां पाठशाला चलाई जाती थी इसकी पुष्टि विभाग ने की है।

अनुभव... जब टीसी दिनेश परमार ने लौटाये 7 रुपये खुल्ले, कहा 3 रुपये के लिए रहूंगा कर्जदार

सोशल मीडिया पर पोस्ट वाइरल होने के बाद टीसी की खूब हो रही तारीफ

माही की गूंज , डेस्क न्यूज़

वापी। एक ट्रेन यात्रा के दौरान टीसी दिनेश परमार से हुई मुलाकात यादगार रही और उनके व्यवहार ने मानो दिल जीत लिया । हालांकि ट्रेन यात्रां करते समय यात्रियों के मन मे टीसी के नाम का भय रहता है क्योंकि बिना टिकिट से लेकर इंकन्फर्म सीट के यात्री ट्रेन में होते है। ज्यादातर टीसीयो का व्यवहार भी यात्रियों के साथ अच्छा नही होता और नियम कानून की धोस देकर यात्रियों से जबरन वसूली की जाती है। लेकिन कुछ विरले प्राणी भी होते है केवल कर्म प्रधान होते है। एक यात्रा के दौरान अवंतिका एक्सप्रेस से गुजरात से कुछ साथियों के साथ लौटते हुए अवंतिका ट्रेन में सवार मजबूरी में हुए क्योंकि रिजर्वेशन की वेटिंग क्लियर नही हुई, हम ट्रेन में उसी डिब्बे में सवार हुए जहा टीसी से बात कर जो भी लेन-देन कर सीट ले लेगे। एक बुजुर्ग टीसी ने ट्रेन में बहुत रस होने का कह कर हमें जनरल डिब्बे की और जाने को कह दिया, काफी प्रयास के बाद भी टीसी महोदय ने एक नही सुनी और हम चल पड़े जनरल डिब्बे की ओर जहां कुछ डिब्बे क्रोस करने पर एक और टीसी से मुलाकात हुई। जहा सीट के लिए एक ओर कोशिश करने का प्रयास कर टीसी से चर्चा की भारी लोड और आधी रात के बाद भी चेहरे पर हल्की सी मुस्कान लिये टीसी दिनेश परमार ने भी सीट नही होने की बात कही। लेकिन उनहोने आश्वासन दिया कि, मैं कोशिश करता हु आपकी रसीद बना कर बैठने की, हमको लगा काम हो गया जैसे कि टीसी कुछ पैसे लेकर जेब मे रख कर उनको यात्रा की सुविधा करते है वेसे आज भी हो जाएगा। कुछ देर बाद अपना काम निपटा कर टीसी दिनेश परमार ने बुलाया और राशि जमा कर रसीद बनाने को कहा, साथियों की संख्या के अनुसार टीसी सर को उनके द्वारा मांगी जाने वाली राशि देने को तैयार थे। लेकिन टीसी दिनेश परमार सर ने नियमानुसार 25 सौ 40 रुपये की रसीद बना कर दी, हमारे द्वारा रसीद की राशि के साथ अतिरिक्त सम्मानजनक राशि दी लेकिन पैसे गिनने के बाद न केवल अतिरिक्त दी गई राशि लौटाई बल्कि बचे 25 सौ 50 में से 10 रुपये लौटने के लिये उन्होंने अपनी सभी जेब में खुले दस रुपये ढूंढे लेकिन उनके हाथ सिर्फ खुल्ले 7 रुपये की चिल्लर लगी ।कई बार रिक्वेस्ट करने के बाद भी खुले नही होने का कह कर उन्हें वो दस रुपये नही लौटने का कहा फिर भी वो नही माने और 7 रूपये खुल्ले देने के बाद कहा कि, बचे 3 रुपये के लिए आपका कर्जदार रहूंगा, टीसी दिनेश परमार के ये शब्द चौकाने वाले थे क्योंकि किसी भी ट्रेन में सवार किसी भी टीसी से इस व्यवहार की उम्मीद न के बराबर होती है। काफी प्रयास के बाद टीसी दिनेश परमार ने अपनी ड्यूटी के अंतिम स्टेशन बड़ौदा में उतरने से पहले चर्चा की और काफी रिक्वेस्ट बाद एक सेल्फी लेने की अनुमति दी । ट्रेन में यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए टीसी दिनेश परमार के विचार काफी अच्छे थे ।

धन्यवाद, रेलवे प्रशासन को जिन्होंने ऐसे शालीन और अच्छे व्यवहार वाले टीसी देकर , टीसीयो को लेकर आम जनता के मन में बने भय और वसूली की छवि शायद दिनेश परमार जैसे टीसीयो से मिलकर जरूर बदलेगी ओर बाकी रेलवे के टीसीयो से भी निवेदन है कि, ट्रेन में यात्रा कर रहे यात्रियों से उचित व्यवहार कर रेलवे का सम्मान बढ़ाये ।

पोस्ट के बाद रातो-रात चर्चा में आया टीसी परमार का नाम, सोशल मीडिया पर हो रही तारीफ

हर कोई ट्रेन में सफर कर चुका है और कही न कही ट्रेन के अंदर के कड़वे अनुभव को भी देख चुका है, अक्सर आप ट्रेन के टीसी से ऐसे व्यवहार की कल्पना नही करते। आये दिन अखबार की सुर्खियों में ट्रेन के टीसी के अमानविय व्यवहार की खबरे जिसमे टिकिट नही होने या रसीद की राशि नही होने पर चलती ट्रेन से पैसेंजर को उतारने की खबरे और कई तरह की प्रताड़ना की खबरे आती है, कई यात्रियों ने इस प्रकार के व्यवहार को लोगो के साथ ट्रेन के अंदर होता देखा भी है। टीसी दिनेश परमार के अच्छे व्यवहार और कुशल संचालन पोस्ट को पढा तो टीसी के व्यवहार की तारीफ करते हुए खूब प्रसंसा भी की। टीसी दिनेश परमार को शायद इस पोस्ट की जानकारी नही थी लेकिन जैसे ही पोस्ट वाइरल हुई खबर उनके पास ढेर सारी बधाइयों के साथ पहुँचने लगी, तब जाकर उन्हें इस पोस्ट के बारे में पता लगा और सोशल मीडिया के माध्यम में पोस्टकर्ता से संपर्क कर धन्यवाद ज्ञापित किया ।

रतलाम मंडल से भी जा रही बधाई

पोस्ट की जानकारी मिलने पर रतलाम मण्डल के रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य अनिल मुथा द्वारा इस पोस्ट को रतलाम मण्डल के ग्रुप में पोस्ट कर ट्रेन में टीसीयो के अच्छे व्यवहार से मिलने वाली प्रशंसा का मैसेज किया, जिसके बाद जानकारी रतलाम रेलवे मण्डल के अधिकारियों और टीसीयो के ग्रुप तक भी पहुँच गई। जहा से टीसी दिनेश परमार के पास बधाई सन्देश और प्रशंसा पहुँच रही है जिसकी जानकारी खुद फोन कर पोस्टकर्ता को दी और धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422